भोपाल, ग्वालियर, मुरैना, श्योपुर, भिण्ड , आगरा (उ.प्र.) एवं धौलपुर (राजस्थान) से एक साथ प्रसारित

सच टाइम्स

DAINIK SACH TIMES

वर्ष 18 अंक 121 | मुरैना,रविवार 09 अगस्त 2026 | पृष्ठ - 8 मूल्य 1.50 ₹

थाना सुभाषपुरा पुलिस द्वारा किसान की कुल 10 नग गुम हुई भैंसों को खोजकर पशु स्वामी किसान को सुपुर्द किया
पेज : 03

एक रिपोर्ट जो बताती है, कैसे भारत पर्यटन को नई गति दे रहा !
पेज : 04

रतन बिहार वाटिका में हुआ रफी नाइट का आयोजन
पेज : 06

खाद के लिए कतार, भाजपा सरकार में अन्नदाता बेहाल : रामशेष
पेज : 07

तेजी से बदलती दुनिया में जो सीखेगा, वही जीतेगा: मोदी

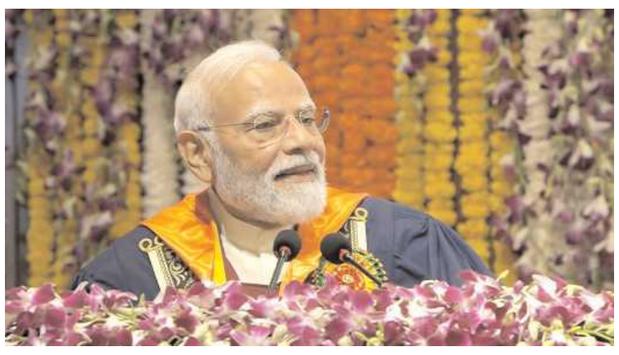

नई दिल्ली, 08 अगस्त (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि दुनिया और प्रौद्योगिकी तेजी से बदल रही है और आने वाले समय में वही व्यक्ति और समाज आगे बढ़ेगा, जो लगातार सीखने के लिए तैयार रहेगा। उन्होंने युवाओं से अपनी जिज्ञासा को जीवित रखने, सवाल पूछने और नई चुनौतियों के नए समाधान खोजने का साहस रखने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने यहां भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज दुनिया का रणनीतिक समीकरण और वैश्विक शक्ति संतुलन तेजी से बदल रहा है। इसके पीछे सबसे बड़ी ताकत प्रौद्योगिकी की गति है। कोई निश्चित रूप से नहीं कह सकता कि अगले 20-30 वर्षों की दुनिया कैसी होगी, लेकिन बदलाव के हर दौर में चुनौतियों के साथ नए अवसर भी पैदा होते हैं।

उन्होंने कहा, 'दुनिया बदलेगी, टेक्नोलॉजी बदलेगी, इंडस्ट्री बदलेगी और प्रोफेशन भी बदलेंगे, लेकिन इन सबके बीच मेरी बात याद रखिएगा- जो सीखेगा, वो जीतेगा।' उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति नई चुनौतियों के नए समाधान खोजने का साहस रखेगा, उसके लिए चुनौतियां ही अवसर बन जाएंगी। यही सोच आईआईटी दिल्ली ने विद्यार्थियों को सिखाई है। समारोह में 3,000 से अधिक स्नातकों को डिग्रियां प्रदान की गईं, जिनमें 587 पीएचडी शोधार्थी शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर प्रेसिडेंट्स गोल्ड मेडल, डायरेक्टर्स गोल्ड मेडल, शंकर दयाल शर्मा गोल्ड मेडल और परफेक्ट टेन गोल्ड मेडल भी प्रदान किए। उन्होंने आईआईटी दिल्ली के सोनीपत परिसर में स्थापित एआई आधारित हाई-परफॉर्मेंस सुपरकंप्यूटिंग सुविधा 'परम प्रज्ञा' का भी उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने दीक्षांत समारोह में शामिल विद्यार्थियों को जीवन के नए अध्याय की शुरुआत के लिए बधाई देते हुए कहा कि आज उनके परिवारों को जिस तरह अपने बच्चों पर गर्व हो रहा है, उसी तरह उन्हें भी सभी विद्यार्थियों पर गर्व है। विद्यार्थी केवल डिग्री लेकर नहीं जा रहे हैं, बल्कि देश के लिए कुछ करने के सपने लेकर निकल रहे हैं। मोदी ने कहा कि हर विद्यार्थी के मन में भविष्य की अलग तस्वीर होगी। कोई पहली नौकरी और पहली तनख्वाह का इंतजार कर रहा होगा, कोई नए शहर में नई शुरुआत की तैयारी कर रहा होगा, कोई अपना स्टार्टअप शुरू करने का सपना देख रहा होगा तो किसी ने अगली प्रतियोगी परीक्षा का लक्ष्य बनाया होगा। उन्होंने कहा कि रास्ते और सपने भले ही अलग हों, लेकिन आईआईटी दिल्ली में प्रवेश से लेकर दीक्षांत तक की यात्रा सभी के लिए यादगार है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे इस पल को पूरी तरह जिएं, क्योंकि भविष्य में जब उन पर ज्यादा जिम्मेदारियां होंगी तो यही यादें उन्हें कैंपस जीवन की ओर वापस ले जाएंगी। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने दोस्तों, शिक्षकों, प्रोफेसरों, मेंटर्स और सपोर्ट स्टाफ को कभी नहीं भूलने की सलाह दी और कहा कि सफलता के बाद भी इन रिश्तों को जीवित और संजोकर रखें।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आईआईटी तक पहुंचना और यहां की पढ़ाई पूरी करना आसान नहीं था। एक-एक विषय, प्रोजेक्ट, मिड-सेमेस्टर और एंड-सेमेस्टर परीक्षा जैसे छोटे-छोटे कदमों ने विद्यार्थियों को आज के मुकाम तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि जीवन में भी बड़ी चुनौतियों को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर उनका समाधान किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि कैंपस और कैंपस के बाहर की जिंदगी में बड़ा अंतर है। आईआईटी की परीक्षा में सिलेबस होता है, लेकिन जिंदगी की परीक्षा में सब कुछ आउट ऑफ सिलेबस होता है। इसलिए जीवन में जिज्ञासा और सीखने की प्रवृत्ति को बनाए रखना जरूरी है।

छठी पीढ़ी के 'फाइटर जेट प्रोजेक्ट' में फ्रांस के साथ शामिल होगा भारत

- पार्लियामेंट्री पैनल ने रक्षा मंत्रालय से विकसित एयरक्राफ्ट खरीदने का रोडमैप मांगा

नई दिल्ली, 08 अगस्त (हि.स.)। पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों के इंजनों के लिए जूझ रहे भारत ने फ्रांस के साथ छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान विकास कार्यक्रम में शामिल होने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। इसका मकसद घरेलू पांचवीं पीढ़ी के एएमसीए प्रोजेक्ट के साथ-साथ भविष्य के हवाई युद्ध के गैप को भरना है। फ्यूचर कॉम्बैट एयर सिस्टम (एफसीएएस) को फ्रांस सरकार लीड कर रही है। पार्लियामेंट्री पैनल ने रक्षा मंत्रालय से ऐसे एयरक्राफ्ट खरीदने का रोडमैप मांगा है। रक्षा मंत्रालय ने छठी पीढ़ी के फाइटर एयरक्राफ्ट के मुद्दे पर डिफेंस पर स्टैंडिंग कमिटी को बताया है कि भारत ने फ्रांस के नेतृत्व वाले फ्यूचर कॉम्बैट एयर सिस्टम यानी छठी जेनरेशन के फाइटर एयरक्राफ्ट डेवलपमेंट प्रोग्राम में शामिल करने के लिए ठोस कोशिशें शुरू की हैं। फ्रांस की अगुवाई में इस कार्यक्रम का मकसद अगली पीढ़ी के फाइटर जेट को युद्ध के आसमान में उतारना है, जो कॉम्बैट क्लाउड के ज़रिए रिमोट कैरियर स्वार्मिंग ड्रोन से जुड़ा हो। यह एक बराबर साझेदारी वाला कार्यक्रम है, जिसका मकसद ऑपरेशनल तैयारी को टारगेट करना है। हालांकि, भारत अपने स्वदेशी पांचवीं पीढ़ी के एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) को अलग से बना रहा है, इसलिए भारत ने फ्रांस के नेतृत्व वाले एफसीएएस फ्रेमवर्क को प्राथमिकता देते हुए इंटरनेशनल फ्रेमवर्क का मूल्यांकन करने और उनके साथ तालमेल बिठाने के लिए औपचारिक रूप से यह कदम उठाया है। इस कार्यक्रम में भागीदारी का मकसद छठी पीढ़ी के जरूरी बिल्डिंग ब्लॉक्स जैसे कि मैन्ड-अनमैन्ड टीमिंग (लॉयल विंगमैन ड्रोन), एडवांस्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कॉम्बैट क्लाउड नेटवर्किंग और हाई-थ्रस्ट प्रोपल्शन तक जल्दी पहुंच बनाना है।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति मुर्मु ने चंबा सड़क हादसे पर जताया शोक

नई दिल्ली, 08 अगस्त (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार को हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में हुए सड़क हादसे पर गहरा दुख जताया। उन्होंने दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। राष्ट्रपति ने एक्स पर लिखा, 'चंबा ज़िले में हुई बस दुर्घटना में लोगों की मौत की खबर से मुझे गहरा दुख हुआ है। मैं उन परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं जिन्होंने इस दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खो दिया है और घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करती हूं। ' उल्लेखनीय है कि चंबा जिले में आज सुबह एक सड़क हादसे में सात लोगों की मौत हो गई और 11 लोग घायल हो गए। घायलों में छह लोगों को आगे के इलाज के लिए पंडित जवाहरलाल नेहरू राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल चंबा स्थानांतरित किया गया है।

जेपी नड्डा रविवार को जयपुर में तिरंगा यात्रा में होंगे शामिल

नई दिल्ली, 08 अगस्त (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा रविवार को जयपुर में अल्बर्ट हॉल से बड़ी चौपड़ तक आयोजित तिरंगा यात्रा में शामिल होंगे। नड्डा इसके अलावा और भी कई कार्यक्रमों से भाग लेंगे। भाजपा ने शनिवार को एक बयान में बताया कि रविवार, 9 अगस्त को जेपी नड्डा के सार्वजनिक कार्यक्रमों की शुरुआत जयपुर स्थित शहीद स्मारक से होगी, जहां वे शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद वे अल्बर्ट हॉल से बड़ी चौपड़ तक आयोजित तिरंगा यात्रा में शामिल होंगे। यह यात्रा सुबह 10 बजे से प्रारंभ होकर बड़ी चौपड़ पर समाप्त होगी। तिरंगा यात्रा देशभक्ति, राष्ट्रीय गौरव और एकता का संदेश देगी। इसके बाद नड्डा सरदार पटेल मार्ग स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचेंगे, जहां वे वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। इसके बाद नड्डा स्वतंत्रता सेनानी प्रवीण चंद छाबड़ा के आवास पर जाकर उनसे भेंट करेंगे और उन्हें सम्मानित करेंगे। इन कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए नड्डा शनिवार को ही जयपुर पहुंच जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को चार नई हवाई सेवाओं का करेंगे शुभारंभ

भोपाल-रीवा, भोपाल-पटना, रीवा-कोलकाता और जबलपुर-कोलकाता के बीच शुरू होंगी सीधी उड़ानें

भोपाल से रीवा की पहली उड़ान को करेंगे फ्लैग ऑफ

मध्यप्रदेश नागरिक विमानन नीति से वित्त पोषित हैं नए हवाई मार्ग

भोपाल (निज संवाददाता)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार, 9 अगस्त को राजा भोज एयरपोर्ट, भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश की चार नई सीधी हवाई सेवाओं का शुभारंभ करेंगे। इनमें भोपाल-रीवा, भोपाल-पटना, रीवा-कोलकाता और जबलपुर-कोलकाता हवाई मार्ग शामिल हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव भोपाल से रीवा की पहली उड़ान को फ्लैग ऑफ करेंगे। इन नई सेवाओं के शुरू होने से प्रदेश की आंतरिक एवं अंतर्राज्यीय हवाई कनेक्टिविटी को और मजबूती मिलेगी। इन सेवाओं का संचालन अलायन्स एयर द्वारा किया जाएगा। इन सभी घरेलू हवाई मार्गों को मध्यप्रदेश नागरिक विमानन नीति के अंतर्गत वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। प्रत्येक राउंड ट्रिप पर राज्य शासन द्वारा 10 लाख रुपये तक की वायबिलिटी गैप फंडिंग (ड्ब्लत्स्न) दी जाएगी। राज्य सरकार द्वारा हवाई कनेक्टिविटी के विस्तार को निरंतर प्राथमिकता दी जा रही है। मध्यप्रदेश नागरिक विमानन नीति-2025 के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न शहरों को देश के प्रमुख गंतव्यों से जोड़ने और नागरिकों को सुगम, सुरक्षित और समयबद्ध आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। नीति के अंतर्गत अब तक 8 नए हवाई मार्ग स्वीकृत किए जा चुके हैं। इनमें से चार मार्गों पर हवाई सेवाएं प्रारंभ हो चुकी हैं, जबकि चार नए मार्गों पर सेवाएं प्रारंभ की जा रही हैं। नीति के अंतर्गत पहले प्रारंभ किए गए मार्गों में रीवा-दिल्ली, रीवा-इंदौर, रीवा-रायपुर और इंदौर-अबूधाबी शामिल हैं।

प्रदेश के भीतर और अन्य राज्यों से बढ़ेगा हवाई संपर्क भोपाल-रीवा सीधी हवाई सेवा प्रदेश के भीतर हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी। इससे राजधानी भोपाल और विंध्य क्षेत्र के बीच सीधा हवाई संपर्क और सुदृढ़ होगा। इसी प्रकार भोपाल-पटना सीधी उड़ान से मध्यप्रदेश की राजधानी सीधे बिहार की राजधानी से जुड़ेगी। इससे दोनों राज्यों के बीच आवागमन सुगम होगा और मध्यप्रदेश में निवासरत बिहार की बड़ी आबादी के साथ यात्रियों, व्यापारियों एवं कारोबारियों को सुविधा मिलेगी। रीवा-कोलकाता और जबलपुर-कोलकाता के बीच सीधी हवाई सेवाएं शुरू होने से प्रदेश के इन दोनों महत्वपूर्ण शहरों का कोलकाता और पूर्वी भारत से हवाई संपर्क मजबूत होगा।

हवाई यात्रा से समय की बचत के साथ विकास को मिलेगी गति : नई सीधी हवाई सेवाओं से प्रदेश के नागरिकों को लंबी यात्राओं की तुलना में कम समय में अपने गंतव्य तक पहुंचने की सुविधा मिलेगी। हवाई कनेक्टिविटी के विस्तार से यात्रियों के आवागमन को सुगम बनाने के साथ विभिन्न शहरों के बीच संपर्क को भी गति मिलेगी। नई हवाई सेवाओं का विस्तार प्रदेश में पर्यटन, व्यापार, शिक्षा और आर्थिक गतिविधियों को गति देने के साथ नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधाएं उपलब्ध होंगी। कार्यक्रम में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री किन्जारापु राममोहन नायडू, उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल, केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव श्री समीर कुमार सिन्हा, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन श्री विपिन कुमार, अलायन्स एयर के चेयरमैन श्री अमित कुमार, अपर मुख्य सचिव विमानन, श्री संजय कुमार शुक्ला, आयुक्त विमानन श्री चंद्रमौली शुक्ला, भोपाल एयरपोर्ट के डायरेक्टर श्री आलोक त्रिपाठी सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे।

नशे के खिलाफ रोक लगाने के लिए सबसे पहले मान कराएं डोप टेस्टः तरुण चुग

नई दिल्ली, 08 अगस्त (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पंजाब की आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार पर सरकारी तंत्र के दुरुपयोग और नशे के खिलाफ जंग में विफल होने का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला है। भाजपा ने कहा कि नशे की लत में पंजाब के युवा बर्बाद हो रहे हैं। पंजाब सरकार की नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान से पहले मुख्यमंत्री भगवंत मान को अपना डोप टेस्ट कराना चाहिए।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग ने शनिवार को भाजपा मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया कि पंजाब में पेपर लीक की घटनाओं से विद्यार्थी डरे हुए हैं और कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब है। रंगदारी, वसूली और कथित टॉर्चर सेंटरों की वजह से लोगों में भय का माहौल है। जब कोई व्यक्ति सरकार के खिलाफ आवाज उठाता है तो उसके साथ मारपीट की जाती है और सार्वजनिक रूप से जातिगत टिप्पणियां तक की जाती हैं। चुग ने कहा कि सफाई कर्मचारियों और महिलाओं ने शांतिपूर्ण तरीके से सड़क पर आंदोलन किया, लेकिन उनके साथ भी कथित तौर पर भद्दा व्यवहार किया गया। भाजपा नेता ने कहा कि पंजाब में पुलिस का इस्तेमाल जनता की सुरक्षा के बजाय प्रदर्शनकारियों के दमन के लिए किया जा रहा है। सफाई कर्मचारियों, भर्ती घोटाले और किसानों समेत अलग-अलग मुद्दों को लेकर चल रहे आंदोलनों में प्रदर्शनकारियों की बात सुनने के बजाय पुलिस उन्हें दबाने का काम कर रही है। चुग ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मौजूदा हालात राज्य में प्रशासनिक व्यवस्था और कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। पंजाब में अवैध खनन का व्यापार फलफूल रहा है। इसका पैसा सरकारी खजाने में जाने में बजाये मान के खजाने में। जा रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब में रक्षक ही भक्षक बन गए हैं और सरकार की नीतियों के कारण राज्य की अर्थव्यवस्था, शांति और संपत्तियों को नुकसान पहुंच रहा है। चुग ने कहा कि आज पंजाब पर पौने पांच लाख करोड़ का कर्ज हो चुका है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

बोनालू उत्सव के लिए सजा हैदराबाद का ओल्ड सिटी

हैदराबाद, 08 अगस्त (हि.स.)। हैदराबाद का ओल्ड सिटी इलाका रविवार को होने वाले बोनालू उत्सव के लिए पूरी तरह सज चुका है। तेलंगाना के प्रसिद्ध लोकपर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस, सुरक्षा एजेंसियों और मंदिर समितियों ने व्यापक तैयारियां की हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के साथ राजनेताओं, खेल जगत की हस्तियों, नौकरशाहों और फिल्मी सितारों सहित कई गणमान्य व्यक्तियों के विभिन्न मंदिरों में पहुंचने और उत्सव में शामिल होने की उम्मीद है। शहर के चौराहों, मंदिरों और जुलूस के मार्ग पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। भीड़ की संभावित संख्या और वीआईपी की आवाजाही को देखते हुए पुलिस एवं नागरिक प्रशासन ने सुरक्षा तथा भीड़ प्रबंधन के उपायों को और मजबूत किया है। पुलिस के अनुसार, उत्सव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था संभालने के लिए करीब 2,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की तैयारी है। संवेदनशील स्थानों और जुलूस मार्गों पर अतिरिक्त बल की तैनाती के साथ निगरानी बढ़ाई जाएगी।

हल्द्वानी से कांग्रेस ने किया 'विजय शंखनाद', खरगे बोले- उत्तराखंड से बनेगी कांग्रेस की सरकार

हल्द्वानी, 08 अगस्त (हि.स.)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को हल्द्वानी में जनसभा में चुनावी अभियान का शंखनाद करते हुए कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर आगामी चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया और दावा किया कि देवभूमि से शुरू हुआ कांग्रेस का 'विजय शंखनाद' प्रदेश में पार्टी की सरकार बनने तक जारी रहेगा। रामलीला मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि कांग्रेस संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष कर रही है। उन्होंने उत्तराखंड को देवभूमि के साथ वीरों की भूमि बताते हुए कहा कि गढ़वाल और कुमाऊं रेजिमेंट के जवानों ने देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। खरगे ने स्वतंत्रता आंदोलन का उल्लेख करते हुए कहा कि नौ अगस्त 1942 को महात्मा गांधी ने 'भारत छोड़ो आंदोलन' के जरिए अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ देशवासियों को एकजुट किया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने आजादी की लड़ाई में जेल यात्राएं कीं और अनेक यातनाएं सहीं। कांग्रेस अध्यक्ष ने राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' का उल्लेख करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल यात्रा कर किसानों, मजदूरों, गरीबों, युवाओं और विद्यार्थियों समेत समाज के विभिन्न वर्गों से संवाद किया।

भारत के 40 करोड़ युवा देश की सबसे बड़ी ताकत, व्यवस्था युवाओं को चक्रव्यूह में फंसा रही भाजपा : राहुल गांधी

प्रयागराज में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में राहुल गांधी ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना

प्रयागराज, 08 अगस्त (हि.स.)। भारत के पास करीब 40 करोड़ युवा हैं और यही देश की सबसे बड़ी ताकत हैं। चीन की ताकत की चर्चा की जाती है, लेकिन भारत के युवाओं के सामने उसकी ताकत कुछ भी नहीं है। उक्त बातें शनिवार को प्रयागराज के केपी ग्राउंड में आयोजित छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस के सांसद एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी कही। उन्होंने कहा कि देश की व्यवस्था युवाओं को एक चक्रव्यूह में फंसा रही है। परिवारों से शिक्षा के नाम पर लाखों करोड़ रुपये लिए जाते हैं और इसके बदले युवाओं को बीए-एमए जैसी डिग्रियां मिलती हैं। उन्होंने कहा कि केवल डिग्री मिल जाने से रोजगार की गारंटी नहीं होती। युवाओं के सामने रोजगार और बेहतर भविष्य की बड़ी चुनौती है। उन्होंने बेरोजगारी, भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी, नीट परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक और छात्रों पर लाठीचार्ज जैसे मुद्दों को उठाते हुए सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि युवाओं की आवाज को दबाने के बजाय उनकी समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए। भारत सदैव अहिंसा का पुजारी रहा है। हमें,हिंसा, भ्रष्टाचार, जाति-पांत से ऊपर उठकर अब इस सिस्टम को टाटा बाय-बाय करना पड़ेगा।

23 जिलों के छात्र हुए शामिल

'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के 23 जिलों से छात्रों को आमंत्रित किया गया। कांग्रेस का दावा है कि कार्यक्रम के लिए दो लाख से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया है। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों से संवाद कर उनकी समस्याओं और रोजगार से जुड़े मुद्दों को सामने लाना बताया गया।

स्वामी एवं प्रकाशक रविन्द्र सिंह नवरंग द्वारा वनखंडी रोड़ हरीराज टॉकीज के पीछे, शिवनगर मुरैना (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित एवं मुद्रक नवीन बंसल द्वारा बंसल ऑफसेट रामजानकी मंदिर के पास, जीवाजीगंज मुरैना से मुद्रित, स्थानीय संपादक- धर्मेंद्र सिंह ''सीताराम जी '', मुरैना, मोबाइल 6261839476
RNI No. MPHIN/2009/45558 फोन 07532-232387 मोबा- 9425334744 तथा सभी विवादों को न्याय क्षेत्र मुरैना ही होगा। डाक पंजीयन चंबल क्रमांक जी-13-2/163/RNP/2025-27, email : sachtimes101@gmail.com

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग में नए जिलाध्यक्ष की कवायद तेज

श्योपुर में रायशुमारी बैठक संपन्न, तीन दावेदारों ने सौंपे बायोडाटा; जल्द होगा नाम का ऐलान

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। जिला कांग्रेस श्योपुर कार्यालय में गुरुवार को कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के नए जिलाध्यक्ष के चयन को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिला कांग्रेस अध्यक्ष मांगीलाल फौजी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में संगठन को मजबूत बनाने और अल्पसंख्यक विभाग के नेतृत्व को लेकर कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से विस्तार से रायशुमारी की गई।

प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर आयोजित इस प्रक्रिया को संपन्न कराने के लिए कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के जिला प्रभारी अबरार साहब तथा सह-प्रभारी इरफान खान विशेष रूप से श्योपुर पहुंचे। दोनों प्रभारियों ने पार्टी कार्यकर्ताओं, वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों से चर्चा कर संगठन की वर्तमान स्थिति तथा नए जिलाध्यक्ष को लेकर सुझाव प्राप्त किए।

बैठक के दौरान अल्पसंख्यक विभाग के जिलाध्यक्ष पद के लिए इस्माइल बेग, रज्जाक अहमद और इमरान खान ने आधिकारिक रूप से अपने-अपने बायोडाटा जिला प्रभारी एवं सह-प्रभारी को सौंपे। तीनों दावेदारों के संगठनात्मक अनुभव, सक्रियता और कार्यशैली पर भी चर्चा हुई।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष मांगीलाल फौजी ने कहा कि कांग्रेस संगठन हर वर्ग को साथ लेकर चलने की नीति पर कार्य करता है। अल्पसंख्यक विभाग पार्टी का महत्वपूर्ण अंग है और मजबूत नेतृत्व से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रदेश नेतृत्व योग्य और सक्रिय कार्यकर्ता को जिम्मेदारी सौंपेगा।

जिला प्रभारी अबरार साहब ने कहा कि कार्यकर्ताओं और नेताओं से प्राप्त सुझावों के साथ सभी दावेदारों के बायोडाटा प्रदेश नेतृत्व को भेजे जाएंगे। अंतिम निर्णय प्रदेश कांग्रेस संगठन द्वारा लिया जाएगा तथा शीघ्र ही नए जिलाध्यक्ष के नाम की घोषणा की जाएगी।

बैठक में विधायक बाबू जंडेल, जिला संगठन महासचिव संजीव कुशवाहा, जिला प्रवक्ता दौलतराम गुप्ता, उपाध्यक्ष चीनी कुरैशी, हंसराज सेठ, महासचिव मानसिंह राठौर, अरविंद जाट, किसान कांग्रेस अध्यक्ष जसवंत मीणा, अनुसूचित जाति विभाग के जिलाध्यक्ष नवल सिंह चौबे, सचिव अशोक धूलिया, पार्षद सलाउद्दीन, असद काजी, महावीर वाल्मीकि, सखावत खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पॉलीटेक्निक कॉलेज एवं छात्रावास की अव्यवस्थाओं के खिलाफ ABVP का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

मुरैना (निज संवाददाता)। शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय और छात्रावास में लंबे समय से चली आ रही विभिन्न समस्याओं एवं अव्यवस्थाओं के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधिमंडल एवं महाविद्यालय के छात्रों ने शनिवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन कॉलेज एवं छात्रावास प्रशासन की लापरवाही तथा विद्यार्थियों को हो रही मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं के खिलाफ किया गया। इस दौरान छात्रों ने कॉलेज एवं छात्रावास प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जिला अधिकारी के नाम एस डी एम को ज्ञापन सौंपा।

ABVP द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि महाविद्यालय एवं छात्रावास में लंबे समय से विद्यार्थियों को विभिन्न मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार समस्याओं को कॉलेज प्रशासन के संज्ञान में लाने के बावजूद उनका उचित एवं स्थायी समाधान नहीं किया गया।

ज्ञापन में प्रमुख रूप से छात्रावास में बिजली की समस्या, साफ-सफाई का अभाव, गंदगी के कारण सांप आदि आने की समस्या, पानी की समस्या, कक्षाओं एवं लैब की सुविधाओं का सुचारू रूप से उपलब्ध न होना, कॉलेज स्टाफ का समय पर उपस्थित नहीं होना तथा प्राचार्य के समय पर कॉलेज में उपस्थित नहीं रहने जैसी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया।

इस दौरान नगर सह मंत्री गिरजेश पचौरी ने कहा कि कॉलेज एवं छात्रावास प्रशासन द्वारा विद्यार्थियों की मूलभूत सुविधाओं को लेकर लगातार लापरवाही बरती जा रही है। विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना कॉलेज प्रशासन की जिम्मेदारी है। छात्रों की समस्याओं को किसी भी स्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यदि जल्द से जल्द समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा आगे आंदोलन किया जाएगा।

सचिन शर्मा ने कहा कई बार कॉलेज प्रशासन को लिखित में शिकायत दी गई, लेकिन सिर्फ आश्वासन मिला। छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा। जल्द से जल्द समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो ABVP उग्र आंदोलन करेगी

ABVP ने जिला प्रशासन से मांग की कि कॉलेज एवं छात्रावास की व्यवस्थाओं का तत्काल निरीक्षण कराकर विद्यार्थियों की सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान कराया जाए तथा जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा व्यवस्थाओं को सुचारू किया जाए।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों के हित एवं उनकी मूलभूत सुविधाओं के लिए परिषद लगातार आवाज उठाती रहेगी। यदि समस्याओं का जल्द निराकरण नहीं किया गया तो विद्यार्थी परिषद द्वारा चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित प्रशासन की होगी।

ज्ञापन एवं प्रदर्शन के दौरान श्रीराम उपाध्याय, सचिन डिडोखर, सचिन तिवारी, जयवीर यादव, प्रियांशु सिकरवार, दीपक शर्मा, अरविंद इंडोलिया, धर्मेंद्र जाटव, दीपेंद्र, अंकित, शैलेंद्र, अभिषेक, नितेश आदि उपस्थित रहे।

छात्र हितों को लेकर एनएसयूआई ने भरी हुंकार

आगामी छात्रसंघ चुनाव की रणनीति पर मंथन, संगठन विस्तार और छात्र समस्याओं को लेकर बनाई कार्ययोजना

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। आगामी चुनावों को लेकर एनएसयूआई ने संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में सक्रियता तेज कर दी है। गुरुवार को एनएसयूआई के प्रदेश सचिव गुरुदत्त चौहान के नेतृत्व में श्योपुर जिला कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें छात्रसंघ चुनाव की तैयारियों, संगठन विस्तार और छात्र हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में निर्णय लिया गया कि जिलेभर के महाविद्यालयों और छात्र-छात्राओं के बीच संगठन की सक्रियता बढ़ाई जाएगी तथा छात्र समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा। साथ ही आगामी छात्रसंघ चुनाव को लेकर संगठनात्मक रणनीति तैयार करने और अधिक से अधिक युवाओं को एनएसयूआई से जोड़ने पर भी सहमति बनी।

प्रदेश सचिव गुरुदत्त चौहान ने कहा कि एनएसयूआई सदैव छात्रों के अधिकारों और हितों की लड़ाई लड़ती रही है। संगठन का उद्देश्य केवल चुनाव तक सीमित नहीं, बल्कि वर्षभर विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कॉलेज स्तर पर सक्रिय रहकर छात्र-छात्राओं की आवाज बनने का आह्वान किया।

बैठक में संगठन को बूथ एवं कॉलेज स्तर तक मजबूत करने, नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष पीयूष शिवहरे, कॉलेज अध्यक्ष सुरेंद्र मीणा, गिर्राज भदौरिया, अभिषेक मीणा, आशुतोष रावत, जय चौहान, पवन मांझी, शिवम सिसोदिया, कार्तिक आर्य, सोनू जाट, कबीर सोनी, रवि आदिवासी सहित बड़ी संख्या में एनएसयूआई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

करोड़ों के विकास दावों के बीच 'अंतिम सफर' भी बेबस!

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष हरगोविंद जौहरी के अंतिम संस्कार के लिए नहीं मिला श्मशान घाट, बारिश में टीन शेड लगाकर करनी पड़ी अंत्येष्टि

ग्राम नीमच की तस्वीर ने खोली ग्रामीण विकास की पोल, सवाल—जब गांव में अंतिम संस्कार तक की स्थायी व्यवस्था नहीं तो विकास के दावों का सच क्या है?

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। जिले में ग्रामीण विकास के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाने और गांव-गांव मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के दावों के बीच वीरपुर तहसील के ग्राम नीमच (रघुनाथपुर) से सामने आई एक तस्वीर ने व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। गांव में स्थायी श्मशान घाट अथवा शांति धाम की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष स्व. हरगोविंद जौहरी के अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को बारिश के बीच टीन शेड का सहारा लेना पड़ा।

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जैसे सार्वजनिक जीवन से जुड़े व्यक्ति के अंतिम संस्कार की यह स्थिति सामने आने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों की प्राथमिकताओं को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

बारिश के बीच टीन शेड बना अंतिम संस्कार का सहारा : बताया गया कि पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष स्व. हरगोविंद जौहरी के निधन के बाद जब उनके पार्थिव शरीर के अंतिम संस्कार की बारी आई तो ग्राम नीमच में व्यवस्थित श्मशान घाट उपलब्ध नहीं था। बारिश के मौसम में परिजनों के सामने अंतिम संस्कार की व्यवस्था करना चुनौती बन गया।

ऐसे में बारिश से बचाव के लिए टीन शेड लगाकर अंतिम संस्कार की व्यवस्था करनी पड़ी। इस पूरे घटनाक्रम की तस्वीरें अब ग्रामीण व्यवस्था और पंचायत स्तर पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं को लेकर सवाल खड़े कर रही हैं।

गांवों के विकास पर करोड़ों खर्च, फिर श्मशान घाट क्यों नहीं?

केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, नाली, भवन, पेयजल, स्वच्छता और अन्य बुनियादी सुविधाओं के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बड़ी राशि खर्च की जा रही है। ग्राम पंचायतों को भी स्थानीय विकास कार्यों के लिए लगातार बजट उपलब्ध कराया जाता है।

ऐसे में सवाल यह उठ रहा है कि यदि वर्षों से गांवों में विकास कार्यों पर राशि खर्च हो रही है तो ग्रामीणों के लिए अंतिम संस्कार जैसी मूलभूत और अनिवार्य व्यवस्था अब तक क्यों नहीं हो सकी?

श्मशान घाट केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि गांव की आवश्यक बुनियादी सुविधा है। बारिश, गर्मी या किसी भी मौसम में ग्रामीणों को सम्मानजनक तरीके से अंतिम संस्कार करने के लिए सुरक्षित एवं व्यवस्थित स्थान उपलब्ध होना जरूरी है।

तस्वीर पूछ रही है विकास की प्राथमिकता पर सवाल

ग्राम नीमच से सामने आई तस्वीर सिर्फ एक परिवार की परेशानी नहीं, बल्कि पंचायत स्तर पर विकास की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़ा करती है। एक ओर विकास योजनाओं के तहत गांवों को सुविधाओं से लैस करने के दावे किए जाते हैं, वहीं दूसरी ओर अंतिम संस्कार के लिए टीन शेड की व्यवस्था करना पड़े तो यह निश्चित रूप से व्यवस्था के जिम्मेदारों के लिए विचार का विषय है।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में स्थायी शांति धाम/श्मशान घाट का निर्माण और वहां आवश्यक सुविधाएं विकसित की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में किसी भी परिवार को बारिश या खराब मौसम में इस तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

अब जिम्मेदारों से जवाब की उम्मीद

ग्राम नीमच की इस तस्वीर के सामने आने के बाद ग्रामीणों की नजर अब पंचायत एवं प्रशासनिक अधिकारियों पर है। सवाल सीधा है—क्या गांव में श्मशान घाट के लिए कोई योजना स्वीकृत हुई थी? यदि हुई थी तो उसका क्या हुआ? और यदि अब तक स्वीकृति नहीं मिली तो ग्रामीणों की इस मूलभूत जरूरत को प्राथमिकता कब मिलेगी?

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष स्व. हरगोविंद जौहरी के अंतिम संस्कार के दौरान सामने आई यह तस्वीर प्रशासन और पंचायत व्यवस्था के सामने एक गंभीर सवाल छोड़ गई है—विकास की चमकदार तस्वीरों से आगे बढ़कर क्या गांवों में जीवन की अंतिम यात्रा के लिए भी सम्मानजनक व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी?

सड़क हादसे में घायल को 'गोल्डन ऑवर' में अस्पताल पहुंचाएं, बच सकती है जान

श्योपुर पुलिस की अनूठी पहल: प्रेमसर में लगी यातायात ग्राम चौपाल, 25 ग्रामीण बने 'राहवीर' वॉलिंटियर

एसपी मोती उर रहमान की पहल पर गांव-गांव पहुंचेगी यातायात पुलिस, हेलमेट-सीट बेल्ट से लेकर हिट एंड रन और कैशलेस इलाज तक दी जानकारी

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने और ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से श्योपुर पुलिस ने गांवों तक पहुंचकर जनजागरूकता अभियान शुरू किया है। नवागत पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान की विशेष पहल पर थाना देहात क्षेत्र के ग्राम प्रेमसर में यातायात ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत भवन परिसर में आयोजित चौपाल में करीब 50 ग्रामीण शामिल हुए और यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण नियमों एवं योजनाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम में थाना प्रभारी यातायात निरीक्षक संजय सिंह राजपूत, सूबेदार अनिल बाथम सहित यातायात पुलिस के अधिकारी-कर्मचारी, ग्राम सरपंच एवं ग्रामीणजन मौजूद रहे।

हादसा होते ही पहला एक घंटा सबसे अहम : चौपाल में पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाया कि सड़क दुर्घटना के बाद घायल व्यक्ति के लिए शुरुआती एक घंटा यानी 'गोल्डन ऑवर' बेहद महत्वपूर्ण होता है। यदि गंभीर घायल को इस अवधि में तत्काल अस्पताल या ट्रॉमा सेंटर पहुंचा दिया जाए तो उसकी जान बचाने की संभावना बढ़ सकती है।

ग्रामीणों से अपील की गई कि दुर्घटना स्थल पर तमाशबीन बनने के बजाय घायल की मदद के लिए आगे आएं और बिना अनावश्यक देरी किए उसे चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में सहयोग करें।

25 ग्रामीण बने 'राहवीर', हादसे में मदद का लिया संकल्प : ग्राम चौपाल का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि सड़क दुर्घटना में घायलों की तत्काल मदद के लिए 25 ग्रामीणों को स्वेच्छा से वॉलिंटियर के रूप में चिन्हित किया गया। उनके नाम एवं मोबाइल नंबर थाना रजिस्टर में दर्ज किए गए। इन ग्रामीणों ने दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की मदद करने तथा उन्हें समय पर अस्पताल पहुंचाने में सहयोग का भरोसा दिया। पुलिस द्वारा बताया गया कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की राहवीर योजना के तहत गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर में अस्पताल अथवा ट्रॉमा सेंटर पहुंचाकर उसकी जान बचाने वाले पात्र मददगार को ?25 हजार का पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र दिए जाने का प्रावधान है। चिन्हित ग्रामीणों के प्रस्ताव आवश्यक कार्रवाई के लिए जिला स्तरीय अप्रेजल कमेटी को भेजे जाएंगे।

हिट एंड रन में मृतक के परिजनों को ?2 लाख तक सहायता : चौपाल में हिट एंड रन प्रतिकर योजना की जानकारी भी दी गई। पुलिस ने बताया कि अज्ञात वाहन से हुई दुर्घटना में यदि निर्धारित अवधि में वाहन का पता नहीं चलता है, तो योजना के तहत मृत व्यक्ति के परिजनों को ?2 लाख तथा गंभीर घायल को ?50 हजार की आर्थिक सहायता का प्रावधान है। इसके लिए संबंधित प्रक्रिया के तहत आवेदन किया जा सकता है।

घायलों को डेढ़ लाख तक कैशलेस उपचार : ग्रामीणों को पीएम राहत कैशलेस योजना के बारे में भी जानकारी दी गई। बताया गया कि पात्र सड़क दुर्घटना पीड़ितों को चिन्हित निजी अस्पतालों में निर्धारित प्रावधानों के तहत ?1.50 लाख तक कैशलेस उपचार की सुविधा मिल सकती है।

हेलमेट और सीट बेल्ट को लेकर सख्त समझाइश : यातायात थाना प्रभारी संजय सिंह राजपूत ने दुर्घटनाओं के कारणों, सड़क चिन्ह, रोड मार्किंग, सुरक्षित ड्राइविंग तथा यातायात नियमों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने दोपहिया वाहन चालकों से अनिवार्य रूप से हेलमेट तथा चार पहिया वाहन चालकों से सीट बेल्ट का उपयोग करने की अपील की।

ग्रामीण युवाओं को स्पष्ट समझाइश दी गई कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने और वैध ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने के बाद ही वाहन चलाएं। साथ ही लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई।

'नशे से दूरी है जरूरी', युवाओं को दिलाया संकल्प : पुलिस ने सड़क सुरक्षा को नशामुक्ति से जोड़ते हुए युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में भी बताया। 'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान के तहत युवाओं से नशे से दूर रहने और सुरक्षित जीवनशैली अपनाने की अपील की गई।

अब जिले के कई गांवों में पहुंचेगी यातायात चौपाल : पुलिस के अनुसार यातायात ग्राम चौपाल अभियान को जिले के अन्य महत्वपूर्ण मार्गों एवं गांवों तक भी ले जाया जाएगा। शिवपुरी रोड पर कलमी, काली तलाई, गोरस, शेसईपुरा, पाली रोड पर रायपुरा, सोई, भाविका, दातारदा, बड़ैदा रोड पर अजापुरा, चंद्रपुरा, पंडोला, खतौली रोड पर डोटी, प्रेमसर, गांधीनगर, जलालपुरा, जबकि ढोढर नहर रोड पर वर्धा, कलारना, तिल्ली डेरा, हासिलपुर और ढोढर सहित अन्य क्षेत्रों में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

पुलिस की नई रणनीति—कार्रवाई के साथ जागरूकता भी

श्योपुर पुलिस की इस पहल को सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पुलिस का प्रयास है कि दुर्घटना होने के बाद केवल कार्रवाई तक सीमित रहने के बजाय दुर्घटना रोकने, ग्रामीणों को नियमों की जानकारी देने और हादसे के बाद तत्काल मदद उपलब्ध कराने की मजबूत व्यवस्था गांव स्तर तक विकसित की जाए। पुलिस का संदेश साफ है—सड़क पर नियमों का पालन करें, हादसा होने पर घबराएं नहीं और घायल की मदद के लिए तुरंत आगे आएं। एक घंटे की तत्परता किसी की जिंदगी बचा सकती है।

cmyk cmyk

वार्ड-17 में सट्टे के खेल का आरोप, शिकायत के बाद भी कार्रवाई का इंतजार!

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

कुम्हार मोहल्ले के रहवासियों ने कोतवाली में दिया था आवेदन, बोले–'सट्टे के लालच में बर्बाद हो रही युवा पीढ़ी', अब नवागत एसपी से कार्रवाई की उम्मीद

श्योपुर। शहर के वार्ड क्रमांक 17 स्थित कुम्हार मोहल्ले में कथित सट्टेबाजी और असामाजिक गतिविधियों को लेकर एक बार फिर सवाल उठ खड़े हुए हैं। वार्डवासियों का आरोप है कि मोहल्ले में लंबे समय से सट्टे का खेल संचालित किया जा रहा है। मामले को लेकर रहवासी पूर्व में कोतवाली थाना श्योपुर में लिखित शिकायत भी दे चुके हैं, लेकिन उनका कहना है कि शिकायत के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने से कथित सट्टेबाजों के हौसले बुलंद हैं।

वार्डवासियों द्वारा दिए गए शिकायत आवेदन में सट्टे के साथ जुआ और शराब जैसी गतिविधियों के भी आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि मोहल्ले के लोगों ने कई बार संबंधित लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन कथित तौर पर विवाद और दबंगई जैसी स्थिति का सामना करना पड़ा। आवेदन में महिलाओं और बच्चों को परेशान किए जाने तथा क्षेत्र में चोरी की घटनाओं को लेकर भी चिंता जताई गई है।

'एक रुपये के बदले 90 रुपये' के लालच का जाल!

वार्डवासियों का कहना है कि सट्टेबाजी का सबसे बड़ा असर युवाओं पर पड़ रहा है। कथित तौर पर कम रकम लगाकर कई गुना पैसा ?? के लालच में युवा इस खेल की ओर आकर्षित हो रहे हैं। यही लालच आगे चलकर आर्थिक नुकसान और परिवारों में परेशानी का कारण बन सकता है।

रहवासियों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में सट्टेबाजी की गतिविधियों की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

पहले शिकायत, अब नवागत एसपी से उम्मीद

वार्डवासियों के अनुसार, 15 मई 2026 को कई रहवासियों की ओर से कोतवाली थाना प्रभारी को शिकायत आवेदन दिया गया था। आवेदन में वार्ड की स्थिति का उल्लेख करते हुए पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की गई थी। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि कार्रवाई के अभाव में समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है।

अब वार्डवासियों ने मीडिया के माध्यम से नवागत पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान से हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि जिले की कमान संभालने के बाद पुलिसिंग में बदलाव दिखाई दे रहा है और शहर में शांति एवं कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस सक्रिय नजर आ रही है। ऐसे में उन्हें उम्मीद है कि वार्ड-17 की इस शिकायत को भी गंभीरता से लिया जाएगा।

पुलिस जांच से सामने आएगी सच्चाई

वार्डवासियों ने मांग की है कि संबंधित क्षेत्र में पुलिस द्वारा प्रभावी निगरानी एवं जांच की जाए। यदि मौके पर सट्टेबाजी या अन्य अवैध गतिविधियां पाई जाती हैं तो नियमानुसार कार्रवाई की जाए, ताकि मोहल्ले का माहौल खराब होने से रोका जा सके और युवाओं को इस तरह की गतिविधियों से दूर रखा जा सके।

हालांकि, शिकायत में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। मामले में पुलिस जांच और कार्रवाई के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

अब स्कूलों में नहीं चलेगी फर्जी हाजिरी!

कक्षा 9वीं से 12वीं तक विद्यार्थियों की ऑनलाइन उपस्थिति होगी दर्ज, पोर्टल पर रोजाना दिखेगा कौन PRESENT, कौन ABSENT और कौन ON LEAVE

जिला ब्यूरो- संगीता गुप्ता

श्योपुर। मध्यप्रदेश में स्कूली शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में जिले के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को लोक शिक्षण संचालनालय ने निर्देश जारी कर बड़ा कदम उठाया है। अब कक्षा 9वीं से 12वीं तक पढ़ने वाले विद्यार्थियों की उपस्थिति ऑनलाइन दर्ज की जाएगी। विद्यार्थियों की हाजिरी सीधे एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर दर्ज होगी, जिससे स्कूलों में विद्यार्थियों की वास्तविक उपस्थिति की निगरानी और उसका नियमित विश्लेषण किया जा सकेगा।

लोक शिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश द्वारा सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को जारी निर्देश में कहा गया है कि विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से अब विद्यार्थियों की उपस्थिति की स्थिति पोर्टल के माध्यम से प्राप्त की जाएगी।

तीन विकल्पों में दर्ज होगी हर विद्यार्थी की हाजिरी

एजुकेशन पोर्टल 3.0 में Student Management के अंतर्गत Student Attendance विकल्प में प्रत्येक कक्षा के पंजीकृत विद्यार्थियों की सूची प्रदर्शित होगी। उपस्थिति दर्ज करने के लिए पोर्टल पर तीन विकल्प उपलब्ध होंगे–Present, Absent ¥õÚU On Leave।

सिस्टम में डिफॉल्ट रूप से सभी विद्यार्थियों को Present प्रदर्शित किया जाएगा। इसके बाद जो विद्यार्थी अनुपस्थित होंगे, उनके नाम के सामने Absent तथा अवकाश पर रहने वाले विद्यार्थियों के सामने ह्ठ्ठ1द्द दर्ज कर डाटा सेव करना होगा।

कक्षा शिक्षक की भी होगी सीधी जिम्मेदारी

निर्देश के अनुसार कक्षा 9वीं से 12वीं तक विद्यार्थियों की उपस्थिति संस्था लॉगिन के माध्यम से एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर दर्ज की जाएगी। प्रत्येक कक्षा की सेक्शनवार प्रविष्टि के बाद यह कार्य कक्षा शिक्षक द्वारा भी किया जा सकेगा। इसके लिए पोर्टल पर आवश्यक सुविधा शीघ्र उपलब्ध कराई जाएगी।

लगातार गैरहाजिर रहने वाले विद्यार्थियों के घर पहुंचेगा स्कूल : ऑनलाइन हाजिरी का उद्देश्य केवल उपस्थिति दर्ज करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की अनुपस्थिति पर नजर रखते हुए समय रहते शैक्षणिक सहायता उपलब्ध कराना भी है। विभाग ने निर्देश दिए हैं कि ऑनलाइन उपस्थिति के नियमित विश्लेषण के दौरान कम उपस्थिति वाले विद्यार्थियों को चिन्हित किया जाए।

ऐसे विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त कक्षाएं एवं आवश्यक शैक्षणिक सहायता की योजना तैयार की जाएगी। वहीं लगातार अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों से संपर्क कर उनकी नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के प्रयास किए जाएंगे।

हाजिरी का डिजिटल रिकॉर्ड, निगरानी होगी आसान

ऑनलाइन उपस्थिति व्यवस्था लागू होने के बाद विद्यार्थियों की स्कूल में उपस्थिति का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार होगा। इससे विद्यालय स्तर पर उपस्थिति की निगरानी के साथ-साथ कम उपस्थिति वाले विद्यार्थियों को समय रहते चिन्हित करना आसान होगा। विभाग का मानना है कि नियमित उपस्थिति के विश्लेषण से विद्यार्थियों के सीखने के स्तर में सुधार लाने में भी मदद मिलेगी।

लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जारी प्रक्रिया के अनुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

आदेश आयुक्त लोक शिक्षण मध्यप्रदेश अभिषेक सिंह द्वारा डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित किया गया है।

विश्व आदिवासी दिवस पर सलापुरा में जुटेगा सहरिया समाज

सम्मान समारोह के बाद निकलेगी भव्य रैली, समाज के विकास की चुनौतियों पर होगा मंथन; राज्यपाल के नाम सौंपा जाएगा ज्ञापन

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। विश्वभर में आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपराओं, भाषाओं एवं अधिकारों के संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है। इसी क्रम में श्योपुर में भी 9 अगस्त को सहरिया आदिवासी समाज द्वारा विश्व आदिवासी दिवस समारोहपूर्वक मनाया जाएगा।

कार्यक्रम का आयोजन सलापुरा में दोपहर 12 बजे से किया जाएगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सहरिया आदिवासी समाज के लोग एकजुट होकर समाज के विकास, अधिकारों और वर्तमान चुनौतियों पर विचार-विमर्श करेंगे। साथ ही समाजहित में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों का सम्मान भी किया जाएगा।

दोपहर 12 बजे सम्मान समारोह

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर सलापुरा में दोपहर 12 बजे से सम्मान समारोह एवं अतिथियों के उद्बोधन का कार्यक्रम आयोजित होगा। कार्यक्रम में समाज की शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, संस्कृति, परंपराओं तथा विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार रखे जाएंगे।

दोपहर 2 बजे निकलेगी भव्य रैली

कार्यक्रम के पश्चात दोपहर 2 बजे सलापुरा से आदिवासी समाज की रैली निकाली जाएगी। रैली सलापुरा से प्रारंभ होकर पटेल चौक, पुल दरवाजा, गणेश गली, मेन बाजार होते हुए गांधी चौक पहुंचेगी।

गांधी चौक पर पहुंचकर आदिवासी समाज की विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित ज्ञापन राज्यपाल महोदय के नाम सौंपा जाएगा।

रैली के स्वागत की अपील

आयोजकों ने श्योपुर शहरवासियों से विश्व आदिवासी दिवस के इस आयोजन में सहभागी बनने तथा समाज की एकता और उत्साह को बढ़ाने की अपील की है। साथ ही शहर के विभिन्न मार्गों पर रैली का स्वागत कर आदिवासी समाज का उत्साहवर्धन करने का आग्रह किया गया है।

सिविल न्यायालय खनियाधाना में भव्य रक्तदान शिविर सम्पन्न

शिवपुरी, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी श्री राजेंद्र प्रसाद सोनी के प्रेरणादायी नेतृत्व में तथा सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी श्रीमती रंजना चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में, तहसील न्यायालय खनियाधाना की पीठासीन अधिकारी श्रीमती अंजना यादव के कुशल निर्देशन में गतदिवस सिविल न्यायालय खनियाधाना परिसर में एक भव्य एवं प्रेरणास्पद रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

यह शिविर केवल एक आयोजन न होकर मानवता, सेवा और परोपकार की उच्चतम भावना का सजीव उदाहरण बनकर उभरा। न्यायालय परिसर में आयोजित इस महत्त्वपूर्ण पहल में न्यायिक अधिकारीगण, कर्मचारीगण, अधिवक्तागण एवं आमजन ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट परिचय दिया।

रक्तदान शिविर में सिविल न्यायालय खनियाधाना के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने बढ़-

चढ़कर सहभागिता करते हुए स्वेच्छा से रक्तदान किया। प्रमुख रक्तदाताओं में डॉ. मनोज यादव, विनीत शर्मा (स्टेनो), राहुल राय (साक्ष्य लेखक), श्री कृष्णा कुशवाहा (क्रिमिनल रीडर), विमल साहू, भगवती प्रसाद कुशवाहा, सुनील अहिरवार सहित अधिवक्तागण में राजाजी बुंदेला, विमल ओझा, सुरेंद्र लोधी एवं अन्य जागरूक नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेकर इस पुनीत कार्य में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। शिविर में कुल 33 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया, जो निस्संदेह अनेक जरूरतमंदों के जीवन को संबल प्रदान करेगा।

इस अवसर पर सिविल अस्पताल खनियाधाना द्वारा चिकित्सकों की एक समर्पित टीम गठित कर उपस्थित समस्त कर्मचारीगण, अधिवक्तागण एवं पक्षकारों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में कुल 68 लोगों ने भाग लेकर विभिन्न चिकित्सकीय जाँचों का लाभ प्राप्त किया, जिससे स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश भी व्यापक रूप से प्रसारित हुआ।

बारिश के बाद सड़क पर मगरमच्छ, टाइगर रिजर्व के अंडरपास के पास तेंदुआ दिखा

शिवपुरी (निज संवाददाता)। शिवपुरी में शुक्रवार देर शाम हुई बारिश के बाद वन्यजीवों की हलचल सड़क तक पहुंचती नजर आई। शहर के स्टेडियम रोड पर देर रात एक विशाल मगरमच्छ सड़क पर घूमता दिखाई दिया, जबकि माधव टाइगर रिजर्व से होकर गुजरने वाले नरवर-सतनवाड़ा मार्ग पर एक तेंदुआ सड़क किनारे बाउंड्री पर बैठा नजर आया। दोनों ही घटनाओं के वीडियो राहगीरों ने अपने मोबाइल में कैद कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए।

स्टेडियम रोड पर मगरमच्छ दिखाई देने से आसपास के लोगों में दहशत का माहौल बन गया। बताया गया है कि जाधव सागर तालाब में बड़ी संख्या में मगरमच्छ मौजूद हैं। बारिश के दौरान कई बार ये मगरमच्छ तालाब से निकलकर आसपास के इलाकों और सड़कों तक पहुंच जाते हैं। शुक्रवार रात भी एक विशाल मगरमच्छ स्टेडियम रोड पर घूमता दिखाई दिया। इसी दौरान कार से गुजर रहे कुछ लोगों की नजर उस पर पड़ी और उन्होंने उसका वीडियो बना लिया।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, जाधव सागर तालाब से निकलने वाले मगरमच्छों को लेकर आसपास के रहवासियों में लंबे समय से डर बना रहता है। बीते वर्ष इसी तालाब से निकले एक मगरमच्छ ने एक युवक पर हमला भी किया था। ऐसे में आबादी वाले क्षेत्र की सड़क पर मगरमच्छ के पहुंचने से लोगों की चिंता बढ़ गई है।

इधर, नरवर-सतनवाड़ा मार्ग पर भी बारिश के मौसम में वन्यजीव की मौजूदगी ने लोगों का ध्यान खींचा। यह मार्ग माधव टाइगर रिजर्व के जंगल क्षेत्र से होकर गुजरता है। यहां एक तेंदुआ सड़क के पास बनी बाउंड्री पर बैठा दिखाई दिया। अंडरपास से गुजर रहे कार सवारों ने तेंदुए को देखा तो वाहन रोककर उसका वीडियो बना लिया।

कुछ देर तक तेंदुआ बाउंड्री पर बैठा नजर आया। जंगल के बीच सड़क से गुजर रहे लोगों के लिए यह नजारा रोमांचकारी रहा। बाद में कार सवारों ने तेंदुए का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया, जो अब वायरल हो रहा है।

बारिश के बाद एक ही रात में शहर की सड़क पर मगरमच्छ और टाइगर रिजर्व क्षेत्र में तेंदुआ दिखाई देने की इन घटनाओं ने शिवपुरी में वन्यजीवों की मौजूदगी को एक बार फिर चर्चा में ला दिया है।

48 घंटे में 400 किमी दौड़कर पूरी होगी डाक कांवड़ यात्रा, खेरौना के ग्रामीणों ने सोरों जी से शुरू की अनोखी यात्रा

शिवपुरी (निज संवाददाता)। जिले के तेंदुआ थाना क्षेत्र के खेरौना गांव के ग्रामीणों ने सावन माह में शुक्रवार सुबह सोरों जी के कचला घाट से अनोखी डाक कांवड़ यात्रा शुरू की। सुबह 6 बजे शुरू हुई इस यात्रा में श्रद्धालुओं का लक्ष्य करीब 400 किलोमीटर की दूरी 48 घंटे में दौड़कर तय करना है। यात्रा पूरी करने के बाद 11 अगस्त को खेरौना गांव के पहाड़ वाले शिव मंदिर पर भगवान शिव को कांवड़ का जल अर्पित किया जाएगा।

इस डाक कांवड़ यात्रा की सबसे खास बात यह है कि कांवड़ को लेकर धावक लगातार दौड़ते रहते हैं। एक धावक कुछ दूरी तक कांवड़ लेकर दौड़ता है, जिसके बाद दूसरा धावक उसे संभाल लेता है। दूसरे धावक को कांवड़ तक पहुंचाने के लिए बाइक का सहारा लिया जाता है। इसके बाद यही क्रम लगातार चलता रहता है। कांवड़ भगवान शिव को अर्पित होने तक उसे जमीन पर नहीं रखा जाता।

यात्रा के दौरान यदि दल को भोजन या जलपान के लिए रुकना पड़ता है, तब भी कांवड़ लेकर चलने वाला धावक रुकता नहीं है। वह निर्धारित स्थान पर गोल घेरे में लगातार दौड़ता रहता है और बाकी श्रद्धालुओं के जलपान करने के बाद यात्रा फिर आगे बढ़ाई जाती है।

इस कठिन डाक कांवड़ यात्रा के लिए खेरौना गांव के करीब 50 से 55 युवाओं और ग्रामीणों की समिति बनाई गई है। यात्रा दल 7 अगस्त को खेरौना के पहाड़ वाले शिव मंदिर से रवाना होकर सोरों जी के कचला घाट पहुंचा था, जहां से शुक्रवार सुबह कांवड़ यात्रा की शुरुआत की गई। दल के साथ करीब 10 बाइक और एक पिकअप वाहन भी चल रहा है। श्रद्धालुओं का लक्ष्य 48 घंटे में करीब 400 किलोमीटर की दूरी तय कर 11 अगस्त को वापस खेरौना पहुंचना और पहाड़ वाले शिव मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक करना है।

रोटरी क्लब चम्बल का शपथ ग्रहण समारोह 9 अगस्त को कई अतिथि करेंगे कार्यक्रम में शिरकत

मुरैना (निज संवाददाता)। रोटरी क्लब चम्बल मुरैना का शपथ एवं पद दायित्व ग्रहण समारोह 9 अगस्त रविवार को होटल शुभिम रिसोर्ट बानमोर में सम्पन्न होगा । समाजसेवी संघठन रोटरी क्लब चम्बल के नवीन सत्र 2026-27 के नवीन अध्यक्ष रोटेरियन करतार सिंह राजपूत, सचिव रोटेरियन मयंक श्रीवास्तव अपनी पूरी बोर्ड ऑफ डायरेक्टर टीम के साथ लेंगे शपथ । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली प्रदेश की महिला आयोग अध्यक्ष श्रीमती लता गुप्ता जी शिरकत करेंगी, साथ ही साथ गेस्ट ऑफ ऑनर ग्वालियर और चम्बल संभाग के चित परिचित अधिकारी डीआईजी डॉ असित यादव जी उपस्थित होंगे, साथ ही साथ कैट के प्रदेश अध्यक्ष पीडीजी रोटेरियन भूपेंद्र जैन जी, रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3053 के प्रान्तपाल रोटेरियन सीए बृजमोहन अग्रवाल जी, एमपीसीसीआई ग्वालियर के अध्यक्ष श्री प्रवीण अग्रवाल जी, सह प्रान्तपाल रोटेरियन सीए प्रकाश अग्रवाल जी, डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी एमपी रोटेरियन आनंद गुप्ता जी के साथ साथ शहर के सभी समाजसेवी संघटनों के पदाधिकारी, प्रबुद्धजन, मध्यप्रदेश और राजस्थान के रोटरी लीडर्स एवं पत्रकारबन्धु कार्यक्रम में शामिल होंगे

तीन-चार महीने से राशन के लिए भटक रहे ग्रामीण, अंगूठा लगवाकर राशन हड़पने के आरोप

शिवपुरी (निज संवाददाता)। शिवपुरी जिले में सरकारी राशन वितरण व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों की परेशानियां सामने आ रही हैं। करैरा के बम्हारी गांव में पिछले तीन महीने से राशन नहीं मिलने का आरोप है, जबकि बदरवास जनपद के झूलना गांव में भी हितग्राहियों ने चार महीने से राशन नहीं मिलने की शिकायत की है। दोनों गांवों के ग्रामीणों ने वीडियो जारी कर अपनी परेशानी बताई और संबंधित सेल्समैन पर अंगूठा लगवाने के बाद राशन नहीं देने के गंभीर आरोप लगाए हैं।

बम्हारी में तीन महीने से राशन का इंतजार : करैरा अनुविभाग के बम्हारी गांव के ग्रामीणों का कहना है कि उचित मूल्य की दुकान से उन्हें पिछले तीन महीनों से खाद्यान्न नहीं मिल रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक राशन लेने के लिए दुकान पर पहुंचने पर कई बार उन्हें इंतजार कराया जाता है। कुछ ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सेल्समैन द्वारा मशीन पर अंगूठा लगवा लिया जाता है, लेकिन इसके बाद राशन नहीं दिया जाता। ग्रामीणों ने वीडियो के माध्यम से अपनी समस्या सामने रखते हुए प्रशासन से मामले की जांच कराने और पात्र हितग्राहियों को उनका राशन दिलाने की मांग की है।

झूलना में चार महीने से राशन नहीं मिलने का आरोप : इसी तरह बदरवास जनपद के ग्राम झूलना में भी ग्रामीणों ने राशन वितरण को लेकर शिकायत की है। हितग्राहियों का आरोप है कि उन्हें करीब चार महीने से सरकारी राशन नहीं मिला है। ग्रामीणों ने सेल्समैन पर अंगूठा लगवाने के बावजूद राशन नहीं देने का आरोप लगाया है।

ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी राशन उनके परिवारों के लिए बेहद जरूरी है, लेकिन लंबे समय से राशन नहीं मिलने के कारण उन्हें परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों ने वीडियो जारी कर जिम्मेदार अधिकारियों से मामले में कार्रवाई की मांग की है।

थाना सुभाषपुरा पुलिस द्वारा किसान की कुल 10 नग गुम हुई भैंसों को खोजकर पशु स्वामी किसान को सुपुर्द किया

शिवपुरी (निज संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया द्वारा संपत्ति संबंधी अपराधों में माल एवं मसरूका को बरामद कर आरोपियों को गिरफ्तार करने हेतु निर्देश जारी किए हैं। इस क्रम में श्री आर.डी. प्रजापति अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी एवं श्री सचिन कुमार धुर्वे एसडीओपी शिवपुरी के मार्ग दर्शन में किसानों व चरवाहों के गुम हुए पशुओं की शीघ्र तलाश करने के निर्देशन मे थाना प्रभारी सुभाषपुरा द्वारा ग्राम गुरावल के बद्री कुशवाह पुत्र श्री रामजीलाल कुशवाह उम्र 45 साल निवासी ग्राम गुरावल के 10 नग पशु भैंसें (छोटे बडे) के दिनांक 01.08.2026 की रात्रि मे ग्राम गुरावल से गुम हो जाने की सूचना पर तत्काल मुखबिरों को सक्रिय किया गया तथा पशुओ की खोज के प्रयास मे लगातार जंगल सर्चिंग की जाती रही। इसी क्रम मे आज दिनांक 08.08.2026 को मुखबिर सूचना पर मय फोर्स के पशुस्वामी किसान को साथ लेकर रवाना होकर गुम पशुओ की तलाश करते हुए गसवानी थानाक्षेत्र मे पंहुचे , जहां पर पशुओं की तलाश करते समय दूधवाली पुलिया के पास जंगल मे किसान के सभी 10 नग पशु अच्छी हालात मे चरते हुए मिले जिन्हे सभी हमराह की सहायता से किसान बद्री कुशवाह पुत्र श्री रामजीलाल कुशवाह उम्र 45 साल निवासी ग्राम गुरावल को सुपुर्द किया गया । अपने सभी पशुओ को पाकर किसान का चेहरा खिल उठा। किसान, उसके परिजनों व ग्रामीणो द्वारा पुलिस को धन्यवाद देते हुए पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही की सराहना की गई । उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी सुभाषपुरा उनि अरविन्द सिंह चौहान , सउनि महेशदत्त शर्मा, आर0 966 अवधेश शर्मा , आर0 463 संजय सिंह जाट, आर0 274 धर्मेन्द्र शर्मा ,आर0 321 महेन्द्र कुशवाह,आर0 431 सलमान खान ,आर0 598 अर्जुन सिंह जाट प्रआर0 चा0 501 राजेश मिश्रा की विशेष भूमिका रही है।

संपादकीय

सुविधा की राजनीति और शिक्षा जगत की दुविधा

गिरीश्वर मिश्र

लोकतंत्र के आधुनिक परिवेश में सामाजिक-राजनीतिक जीवन में उथल-पुथल आम बात है। विकसित और विकासशील सभी तरह के देशों में, जहाँ लोकतांत्रिक सरकारें सत्ता की बागडोर संभाल रही हैं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बहाल है। वहाँ तमाम चीज़ों को लेकर बहसें होती रहती हैं। ऐसे में विभिन्न मुद्दों पर राजनैतिक दलों की अलग-अलग राय भी होती है। यह स्थिति बहुत हद तक स्वस्थ राजनीतिक प्रवृत्ति को दर्शाती है। सच कहें तो असहमति को आदर देना सभ्य समाज की वैचारिक परिपक्वता का परिचायक होता है। भारत जैसे देश में जहाँ राष्ट्रीय स्तर की छह और क्षेत्रीय स्तर की साठ राजनीतिक दलों की संख्या है वैचारिक मतभेद होना सहज और स्वाभाविक है। ऊपर से क्षेत्रीय, भाषाई, धार्मिक तथा आर्थिक विविधतायें भी बहुत तरह की हैं। ऐसी बहुलताओं वाले देश में किसी प्रश्न पर भिन्न प्रकार के विचारों को राजनैतिक विमर्श में सहनशीलता के साथ सम्मानजनक जगह मिलनी चाहिए। अक्सर विरोध की गुंजाइश न होने पर लोकतांत्रिक संस्थाएं और उनकी गतिविधियाँ पटरी से उतर कर ठप पड़ जाती हैं। देश में जब आपातकाल लगा था तब कुछ ऐसा ही हुआ था। इतिहास गवाह है कि देश ने उस कदम को नकार दिया था और जेपी के नेतृत्व में बड़ा बदलाव आया और वह एक प्रस्थानविंदु बन गया। उसके बाद किसी एक दल का राजनीतिक वर्चस्व खत्म हो गया। ऐसे में पारस्परिक वाद, विवाद और संवाद राजनीतिक अनिवार्यता बन चुकी है। गौरतलब है संविधान सभा की बहसों और उसके बाद देश के संसदीय इतिहास में भी अनेक अवसरों पर संसद में तीखी बहसें होती रही हैं। कई सांसदों के वक्तव्यों में ज्ञान-विज्ञान और संस्कृति-सभ्यता की बातें भी हुआ करती थीं और हास्य-विनोद का पुट भी रहता था। इनसे लोगों को सीखने को भी बहुत कुछ मिलता था। कुछ समय से इस तरह की परम्परा से अलग हट कर संसद में चल रही गतिविधि देखते-सुनते हुए आमजन हतप्रभ हैं और उनकी चिंता बढ़ती रही है। अब संसद परिसर का वातावरण गंभीर विचार-विनिमय की जगह नाटकीय अभिनय के प्रदर्शन का मंच सा होता जा रहा है। संसद के भीतर और बाहर बार-बार मान्यवरों की ओर से ऐसा होना आमजन को निराश करने वाला है। इससे किसी दल कितना राजनैतिक लाभ मिलता है ये तो वे ही जानें पर ऐसे ग़ैरज़िम्मेदार आचरण से तात्कालिक रूप से देश के संसाधनों का अपव्यय तो निश्चित रूप से होता है। यह अलग बात है कि इसकी ज़िम्मेदारी कोई नहीं लेता है। साथ ही जनता को अवांछित संदेश भी जाता है। संसद का पूरा का पूरा सत्र कोरा बीत जाता है और उसके काम धरे के धरे रह जाते हैं या फिर आपाधापी में बिना विचारे निपटा लिए जाते हैं। दोनों ही हाल में यह एक जोखिम वाली बात है, पर यह प्रवृत्ति रुकने का नाम नहीं ले रही है। समस्याओं पर विचार करने और उनकी ओर ध्यान आकृष्ट करने का जो अभिनव तरीका उभर रहा है वह संसद की गरिमा के विरुद्ध है। अलबत्ता सांसदों को अन्न, जल तथा पर्यटन और कार्य के भत्ते आदि की तरह-तरह की सुविधाएं उपलब्ध रहती हैं। सांसद होने के लाभ उन्हें मिलते रहते हैं। उन्होंने अपने लिए नीति बना रखी है ताकि सुविधाएं बिना बंदिश के मिलती रहें। सुविधा सबको चाहिए, राजा को भी और प्रजा को भी। राजनीति सुविधाभोगी हो रही है और लोक-जीवन के सरोकार पिछड़ते जा रहे हैं। जनता की नियति असुविधा भोगने की है। उसकी लाचारी और विवशता कई-कई मोर्चों जारी है। आजकल राजनीति में भी सत्ता पक्ष और विपक्ष में ठनी हुई है और संसद में गतिरोध जारी है। इस खेदजनक रुकावट की त्रासदी देश में शिक्षा की समस्याओं से जुड़ी हुई है। बावजूद इसके शिक्षा किसी भी समाज की रीढ़ होती है केंद्र और राज्यों की सरकार हो या संसद, शिक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण और बुनियादी प्रश्नों की लगातार उपेक्षा होती आ रही है। चर्चाओं में सभी विषयों पर ध्यान देने के बाद शिक्षा की बारी आती है और इस पर सतही तौर पर नजर डाली जाती है और रस्म अदायगी निभाई जाती है। शिक्षा एक ऐसा विषय है जिसके लिए कोई विशिष्ट योग्यता भी नहीं चाहिए इसलिए किसी को भी इसे सुपुर्द कर दिया जाता है। साथ ही भारतीय शिक्षा व्यवस्था इस अर्थ में अनूठी है कि इसमें अपनी शिक्षा पर भरोसा नहीं है। मसलन हायर सेकेंड्री से बीए/ बीएससी और बीए/ बीएससी से एमए/ एमएससी में प्रवेश के लिए किस्म-किस्म की परीक्षाओं का एक बड़ा जाल बना रखा है। प्रवेश-परीक्षाओं की बड़ी लंबी सूची है जिसमें विद्यार्थी को लगातार पात्रता सिद्ध करते रहना है। सिर्फ़ पढ़ाई काफ़ी नहीं है; प्रवेश-परीक्षाएँ शिक्षा-क्रम में आगे कदम बढ़ाने के लिए सीढ़ी बन गई हैं। इस मद्देनजर मददगार कोचिंग संस्थानों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। पर ताजा संदर्भ में परीक्षा कराने की चाक-चौबंद राष्ट्रीय व्यवस्था (एनटीए) ही बड़ी चुनौती बन गई। नीट के पेपर लीक की बार-बार की घटनाओं ने छात्रों के भरोसे को तोड़ दिया पर इसकी अनदेखी होती रही। इसका परिणाम युवा-आक्रोश के रूप में उभरा। दुखी होकर आज जेनरेशन ज़ेड और जेनरेशन अल्फा ने तीव्र स्वर में अपनी बात उठाने का संकल्प कर लिया। हम सबने देखा कि कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के उग्र प्रदर्शन के आगे सरकार को बाध्य होकर कई कड़े कदम उठाने पड़े और तब जाकर कहीं आंदोलन थमा। इस घटनाक्रम ने यह भलीभाँति प्रकट कर दिया कि प्रश्नों का टालते रहना या उन पर कारवाई न करने की बड़ी क़ीमत अदा करनी पड़ती है। लोकतंत्र जनता के लिए होता है और उसकी आवाज़ का बड़ा महत्व होता है। आज जब संचार के साधन बहुत बढ़ चुके हैं, लोकमत की तरफ़ से मुँह मोड़ लेना या आँख बंद रखना और ख़तरनाक हो रहा है। अब झारखंड में परीक्षाओं में धांधली को लेकर छात्रों का धरना-प्रदर्शन जारी है। परीक्षा के पेपर बार-बार लीक होना शर्मनाक है और अब सरकार उसका संज्ञान लेकर सख्त कदम उठा रही है। परंतु शिक्षा के सवाल केवल परीक्षा तक सीमित नहीं हैं। राजस्थान, बिहार और उत्तर प्रदेश आदि कई राज्यों में सरकारी स्कूलों की खस्ता हालत बता रही है कि शिक्षा की आधारशिला कमजोर हो रही है। बहुतेरे विद्यालयों में न तो शौचालय जैसी सामान्य सुविधाएं हैं न ही पढ़ने-पढ़ाने के लिए पर्याप्त अध्यापक हैं। अनुमानतः देश में एक लाख स्कूल ऐसे हैं जहाँ केवल एक अध्यापक है और वही सभी कक्षाओं को पढ़ाता है। ऐसे एकल शिक्षक विद्यालयों की संख्या बढ़ रही है। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में लगभग 28 प्रतिशत और राज्यों के विश्वविद्यालयों में अध्यापकों के लगभग 40 से 60 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं। भर्ती की प्रक्रिया समय पर न हो पाना और विकट नौकरशाही के झमेलों के चलते प्राध्यापकों की नियुक्ति नहीं हो पा रही है। फलतः ज्यादातर जगहों पर अतिथि अध्यापकों से काम चलाया जा रहा है। स्ववित्त पोषित (सेल्फ-फाइनेंस्ड) पाठ्यक्रम भी चल रहे हैं जिनकी अपनी मुश्किलें हैं। निजी क्षेत्र में शिक्षा के विस्तार में आशातीत वृद्धि हुई है। प्राइमरी से विश्वविद्यालय तक विस्तृत ये निजी प्रयास व्यापारिक माडल पर चल रहे हैं और मुख्यतः धनार्जन के उद्यम हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की शिक्षा-संस्थाओं की सीमाओं के कारण ये खूब फल-फूल रहे हैं। वर्तमान सरकार ने शिक्षा में रुचि ली और उत्साहपूर्वक 2020 में एक नई शिक्षा नीति का ऐलान किया। तब से उस पर अमल चल रहा है, पर किसी भी बदलाव की तरह यह भी पेचीदा है। बड़े परिवर्तन के लिए अपेक्षित संसाधन और जरूरी तैयारी भी चाहिए। इस महत्वाकांक्षी बदलाव ने शिक्षा-जगत के सामने नई चुनौतियाँ भी खड़ी की हैं। आज तक राष्ट्रीय बजट का छह प्रतिशत शिक्षा पर खर्चने का वादा पूरा नहीं हो सका है जबकि जनसंख्या में वृद्धि के हिसाब से शिक्षा के लिए इससे भी ज़्यादा संसाधन आवंटित होना चाहिए। इस बीच संख्या की दृष्टि शिक्षा-संस्थानों में इजाफा तो जरूर हुआ परंतु गुणवत्ता की दृष्टि से स्थिति संतोषप्रद नहीं कहीं जा सकती। ऐसे में जरूरी है कि शिक्षा के प्रश्नों पर समग्रता में विचार किया जाय। देश की जनसंख्या में 65 प्रतिशत बच्चे, किशोर और युवा हैं। इसलिए यथार्थ के धरातल पर आवश्यकता का आकलन कर संसाधनों, परीक्षाओं और रोजगार के अवसरों के बीच तालमेल बैठाना अत्यंत आवश्यक है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ ही सामाजिक-आर्थिक उन्नति की यात्रा हो सकेगी।

आरटीआई या रंगदारी का नया धंधा ?

बृज खंडेलवाल द्वारा

8 अगस्त 2026

सूचना का अधिकार कानून कभी भ्रष्टाचार के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार माना जाता था। इसे जनता की आंख और कान कहा गया। उम्मीद थी कि सरकारी फाइलों में छिपे सच बाहर आएंगे और अफसर जवाबदेह बनेंगे। लेकिन आज तस्वीर बदलती दिख रही है। कई जगह आरटीआई जनहित का नहीं, बल्कि निजी फायदे, ब्लैकमेल और उगाही का औजार बन चुकी है। कानून की आड़ में कुछ लोगों ने पूरा कारोबार खड़ा कर लिया है।

मैसूर विश्वविद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में कर्नाटक के पूर्व सूचना आयुक्त डॉ. एल. कृष्णमूर्ति ने इसी खतरे की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि फर्जी आरटीआई कार्यकर्ताओं की बढ़ती संख्या इस कानून की आत्मा को खत्म कर रही है। उनके अनुसार, जिस कानून ने 2जी जैसे बड़े घोटाले उजागर किए, उसी का इस्तेमाल अब सरकारी दफ्तरों को परेशान करने और बेवजह हजारों पन्नों की सूचनाएं मांगने में हो रहा है।

देशभर से सामने आए मामले इस चिंता को और बढ़ा रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश के ऊना में एक स्वयंभू आरटीआई कार्यकर्ता पर आरोप लगा कि उसने पत्थर खदान संचालकों से 75 लाख रुपये की मांग की। आरटीआई से दस्तावेज जुटाए गए और फिर शिकायत करने की धमकी देकर रकम मांगी गई। सतर्कता विभाग ने जाल बिछाकर उसे पहली किश्त लेते हुए गिरफ्तार किया।

असम में दुलाल बोरा का मामला और भी चौंकाने वाला है। उस पर उगाही और धोखाधड़ी के दर्जनों मुकदमे दर्ज हुए। बताया गया कि उसने दो हजार से अधिक दूसरी अपीलें दायर कीं और कई बार एक ही दिन में सौ से ज्यादा आरटीआई आवेदन भेज दिए। आरोप था कि बाद में अधिकारियों और ठेकेदारों से पैसे लेकर मामलों को ठंडे बस्ते में डालने का खेल चलता था।

हरियाणा के गुरुग्राम में एक आरटीआई कार्यकर्ता और एक यूट्यूबर पर स्कूल प्रबंधन से लाखों रुपये की उगाही का आरोप लगा। पहले लगातार आरटीआई लगाई गईं, फिर अदालत और आयकर विभाग की कार्रवाई का डर दिखाया गया। अंत में शिकायतें वापस लेने के बदले मोटी रकम मांगी गई।

गुजरात के सूरत में तो यह पूरा नेटवर्क बन गया। पुलिस ने दर्जनों मुकदमे दर्ज किए। आरोप था कि कुछ लोग नगर निगम से भवनों की जानकारी आरटीआई के जरिए हासिल करते, फिर मापने वाली फीता लेकर खुद को निरीक्षक बताकर निर्माण स्थलों पर पहुंच जाते। बिल्डरों और मकान मालिकों को कानूनी कार्रवाई का डर दिखाकर हजारों से लेकर लाखों रुपये तक वसूले जाते।

आंध्र प्रदेश में दो लोगों पर सूचना आयोग ने आगे आरटीआई लगाने तक पर रोक लगा दी। आयोग ने पाया कि वे एक के बाद एक दर्जनों अपीलें और शिकायतें दायर कर सरकारी अधिकारियों को लगातार परेशान कर रहे थे। कई आवेदन वर्षों पुराने रिकॉर्ड मांगते थे, जिनका जनहित से कोई सीधा संबंध नहीं था।

तमिलनाडु के थेनी में एक व्यक्ति ने 781 आरटीआई आवेदन केवल जिला न्यायालय के खिलाफ दायर कर दिए। नतीजा यह हुआ कि सरकारी कामकाज प्रभावित होने लगा। सूचना आयोग ने उस पर जुर्माना लगाया और इसे कानून के खुले दुरुपयोग का मामला बताया।

यह केवल कुछ अलग-थलग घटनाएं नहीं हैं। इन मामलों का तरीका लगभग एक जैसा है। पहले आरटीआई डालो। फिर दस्तावेज जुटाओ। उसके बाद शिकायत, जांच या मीडिया में बदनामी का डर दिखाओ। आखिर में समझौते के नाम पर पैसे मांगो। कई जगह निजी दुश्मनी निकालने के लिए भी आरटीआई का इस्तेमाल किया गया। कहीं एक ही विषय पर सैकड़ों आवेदन भेजे गए, तो कहीं पूरे विभाग को कागजों के ढेर में दबा दिया गया।

सर्वोच्च न्यायालय भी कई बार ऐसी प्रवृत्ति पर चिंता जता चुका है। अदालत ने कहा कि आरटीआई का इस्तेमाल ईमानदार अधिकारियों को डराने या सरकारी कामकाज रोकने के लिए नहीं होना चाहिए। एक अन्य टिप्पणी में अदालत ने यहां तक कहा कि आरटीआई एक्टिविज्म कुछ मामलों में नया कारोबार बनता जा रहा है।

सबसे दुखद बात यह है कि ऐसे लोग खुद को समाजसेवी और भ्रष्टाचार विरोधी योद्धा बताकर कानून की साख को चोट पहुंचाते हैं। जनता का भरोसा कमजोर होता है। सरकारी दफ्तर हर आवेदक को शक की नजर से देखने लगते हैं। असली और नकली के बीच की रेखा धुंधली होने लगती है।

आरटीआई कानून का जन्म जनता को ताकत देने के लिए हुआ था, लेकिन कुछ स्वार्थी तत्वों ने इसे दबाव, धमकी और वसूली के हथियार में बदलने की कोशिश की है। जब अधिकार की आड़ में कारोबार शुरू हो जाए, तो सबसे बड़ा नुकसान उसी कानून की विश्वसनीयता को होता है। आज सबसे बड़ा सवाल यही है कि सूचना मांगने का अधिकार कहीं कुछ लोगों के लिए डर और सौदेबाजी का लाइसेंस तो नहीं बनता जा रहा।

एक रिपोर्ट जो बताती है, कैसे भारत पर्यटन को नई गति दे रहा !

-डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत अब पर्यटन को आर्थिक विकास, सांस्कृतिक संरक्षण, रोजगार सृजन और विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के प्रमुख इंजन के रूप में स्थापित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी सोच को मजबूती देते हुए नीति आयोग और केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय की पिछले दिनों एक रिपोर्ट 'पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र में विकास की संभावनाओं को खोलने' विषय पर जारी हुई है। संयोग से यह रिपोर्ट ऐसे समय आई है, जब भारत वैश्विक पर्यटन अर्थव्यवस्था में लगातार अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। उक्त रिपोर्ट इस क्षेत्र में आशा के द्वार खोलती है।

दरअसल, इस रिपोर्ट में पर्यटन क्षेत्र में वर्षों से चली आ रही जटिल नियामकीय प्रक्रियाओं को सरल बनाने, निवेश को बढ़ावा देने, विश्वस्तरीय पर्यटन अवसंरचना विकसित करने तथा स्थानीय समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए व्यापक सुझाव दिए गए हैं। विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद (ड्ढञ्जञ्जष्ट) के अनुसार भारत वैश्विक पर्यटन अर्थव्यवस्थाओं में आठवें स्थान पर पहुंच चुका है और अगले दशक में शीर्ष चार देशों में शामिल होने की क्षमता रखता है।

प्रधानमंत्री का विजन : 'देखो अपना देश' से 'विकसित भारत' तक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार पर्यटन को देश की आर्थिक शक्ति और सांस्कृतिक एकता का सबसे प्रभावी माध्यम बताते रहे हैं। उनका मानना है कि भारत का प्रत्येक जिला अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक, प्राकृतिक अथवा ऐतिहासिक पहचान के कारण पर्यटन की अपार संभावनाएं रखता है। प्रधानमंत्री ने कई अवसरों पर देशवासियों से वर्ष में कम-से-कम कुछ नए स्थलों की यात्रा करने का आह्वान किया है, ताकि स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिले।

उनके अनुसार पर्यटन ऐसा क्षेत्र है, जिसमें सबसे अधिक रोजगार सृजित करने की क्षमता है। एक पर्यटक केवल होटल में ठहरता ही नहीं बल्कि परिवहन, हस्तशिल्प, स्थानीय बाजार, लोक कलाकारों, किसानों और छोटे व्यापारियों तक आर्थिक गतिविधियों का विस्तार करता है।

पर्यटन बनेगा आर्थिक विकास का नया इंजन

इस संबंध में केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का कहना है, 'पर्यटन क्षेत्र भारत की विकास यात्रा में परिवर्तनकारी भूमिका निभा रहा है। इसके लिए निवेशकों को सरल और पारदर्शी व्यवस्था उपलब्ध कराना आवश्यक है। आनेवाले समय में गुणवत्तापूर्ण होटल, बेहतर आवास क्षमता, आधुनिक पर्यटन सुविधाएं और आसान अनुमोदन प्रक्रिया भारत को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगी।आज हम इसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। '

इसके साथ ही इस विषय पर नीति आयोग के सदस्य राजीव गौबा ने भी स्पष्ट किया, 'निवेश वहीं आता है जहां नीतिगत स्पष्टता और समयबद्ध अनुमोदन उपलब्ध हो। यदि पर्यटन परियोजनाओं के लिए अनुमति प्रक्रिया सरल होगी तो निजी निवेश तेजी से बढ़ेगा और उसका लाभ दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचेगा। '

सरल नियमों से बढ़ेगा निवेश

रिपोर्ट का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष पर्यटन क्षेत्र में नियामकीय सुधारों पर केंद्रित है। वर्तमान में होटल, रिसॉर्ट, वेलनेस सेंटर या पर्यटन परियोजनाओं के लिए विभिन्न विभागों से अलग-अलग अनुमति लेनी पड़ती है, जिससे परियोजनाएं वर्षों तक लंबित रहती हैं। रिपोर्ट में सिंगल विंडो क्लीयरेंस, ऑनलाइन अनुमोदन, समयबद्ध स्वीकृति, विभागों के बेहतर समन्वय तथा अनुपालन प्रक्रियाओं को सरल बनाने की अनुशंसा की गई है। इससे परियोजनाओं की लागत घटेगी, निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा और पर्यटन क्षेत्र में निजी निवेश को नई गति मिलेगी।

आंकड़े बता रहे पर्यटन की बढ़ती ताकत

भारत का पर्यटन क्षेत्र आज देश की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। वर्ष 2025-26 के दौरान भारत में लगभग 9.02 मिलियन (90.2 लाख) विदेशी पर्यटक (स्न्ञ्जह्य) आए थे। इसके बाद, 2026 की शुरुआत (जनवरी-अप्रैल) में भारत में लगभग 10 लाख से 5.34 लाख मासिक विदेशी पर्यटक दर्ज किए गए हैं, जबकि इससे पहले वर्ष 2024 में भारत में लगभग 2.06 करोड़ अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों का आगमन दर्ज किया गया, तब विदेशी पर्यटकों से 35 अरब डॉलर से अधिक विदेशी मुद्रा अर्जित हुई।

इस तरह यदि देखें तो पर्यटन उद्योग का देश की जीडीपी में योगदान लगभग 231.6 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच चुका है। रोजगार के क्षेत्र में भी यह उद्योग बड़ी भूमिका निभा रहा है। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 8.4 करोड़ से अधिक लोगों की आजीविका पर्यटन क्षेत्र से जुड़ी हुई है, जो देश के कुल रोजगार का लगभग 13 प्रतिशत हिस्सा है। घरेलू पर्यटन भी अभूतपूर्व गति से बढ़ा है। देश में एक वर्ष के दौरान 290 करोड़ से अधिक घरेलू पर्यटन यात्राएं दर्ज की गईं। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था, छोटे व्यवसायों और ग्रामीण क्षेत्रों में आय के नए अवसर विकसित हुए हैं।

बदलता बुनियादी ढांचा बना सबसे बड़ी ताकत

पिछले एक दशक में सड़क, रेल और हवाई संपर्क में हुए व्यापक सुधारों ने पर्यटन क्षेत्र को नई ऊर्जा प्रदान की है। उड़ान योजना के माध्यम से नए हवाई अड्डों और क्षेत्रीय हवाई सेवाओं का विस्तार हुआ है। वंदे भारत एक्सप्रेस, आधुनिक रेलवे स्टेशन, एक्सप्रेस-वे तथा राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार से अनेक पर्यटन स्थलों तक पहुंच पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो गई है। वहीं, डिजिटल भुगतान प्रणाली यूपीआई, ऑनलाइन टिकटिंग तथा ई-वीजा जैसी सुविधाओं ने विदेशी पर्यटकों के लिए भी भारत यात्रा को अधिक सहज बनाया है।

स्वदेश दर्शन और प्रसाद योजनाओं से बदली तस्वीर

केंद्र सरकार की स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत देशभर में विभिन्न थीम आधारित पर्यटन सर्किट विकसित किए जा रहे हैं। दूसरे चरण में टिकाऊ और गंतव्य आधारित पर्यटन विकास पर विशेष जोर दिया जा रहा है। दूसरी ओर प्रसाद (क्क्र.ष्ठ) योजना के माध्यम से काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक, अयोध्या, केदारनाथ, सोमनाथ और अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों पर आधुनिक सुविधाओं का विकास किया गया है। इससे आध्यात्मिक पर्यटन को नई पहचान मिली है और देश-विदेश से श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

ग्रामीण और होमस्टे पर्यटन को मिलेगा नया विस्तार

रिपोर्ट में बड़े होटलों के साथ-साथ होमस्टे, ग्रामीण पर्यटन, स्थानीय हस्तशिल्प और सामुदायिक भागीदारी को विशेष महत्व दिया गया है। होमस्टे मॉडल के माध्यम से पर्यटक स्थानीय संस्कृति, खान-पान और परंपराओं से सीधे जुड़ते हैं। इससे ग्रामीण परिवारों, महिलाओं और युवाओं की आय बढ़ती है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, केरल, सिक्किम और पूर्वोत्तर राज्यों में होमस्टे मॉडल की सफलता के बाद अब इसे देशभर में विस्तार देने की योजना है।

मेडिकल, वेलनेस और इको-टूरिज्म की बढ़ती संभावनाएं

भारत अब केवल ऐतिहासिक और धार्मिक पर्यटन तक सीमित नहीं है। योग, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के कारण मेडिकल एवं वेलनेस पर्यटन तेजी से विकसित हो रहा है। इसी प्रकार इको-टूरिज्म, एडवेंचर टूरिज्म, वन्यजीव पर्यटन, क्रूज टूरिज्म और एस्ट्रो-टूरिज्म जैसे नए क्षेत्रों में भी भारत वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। सरकार की 'ट्रैवल फॉर लाइफ' पहल पर्यावरण अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

विश्व पर्यटन महाशक्ति बनने की दिशा में मजबूत कदम

उल्लेखनीय है कि भारत के पास हिमालय, समुद्र तट, रेगिस्तान, जैव विविधता, आध्यात्मिक परंपराएं, विश्व धरोहर स्थल, योग, आयुर्वेद और हजारों वर्षों की सांस्कृतिक विरासत जैसी अनूठी संपदा है। आवश्यकता केवल इन्हें विश्वस्तरीय सुविधाओं, आधुनिक अवसंरचना और प्रभावी विपणन से जोड़ने की है।

नीति आयोग और पर्यटन मंत्रालय की यह नई रिपोर्ट इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण रोडमैप प्रस्तुत करती है। यदि इसकी सिफारिशों को समयबद्ध ढंग से लागू किया जाता है, तो पर्यटन न केवल विदेशी मुद्रा अर्जन और रोजगार का सबसे बड़ा स्रोत बनेगा, बल्कि विकसित भारत-2047 की परिकल्पना को साकार करने में भी निर्णायक भूमिका निभाएगा।

नकली सोने के हार को असली बताकर ग्रामीण से 10 हजार की ठगी करने वाले दो आरोपित गिरफ्तार

जगदलपुर, 08 अगस्त (हि.स.)। बस्तर जिले के थाना नगरनार क्षेत्र अंर्तगत नकली सोना के हार को असली सोना का हार बताकर ग्रामीण से 10 हजार रूपये की ठगी करने वाले दो आरोपितों मोहन लाल सोलंकी पिता देवी दयाल सोलंकी उम्र 52 वर्ष निवासी नेहरू चौक चरौदा थाना भिलाई एवं मोहन राय पिता वीरचंद राय उम्र 52 वर्ष निवासी हथनी पारा वार्ड भाटापारा जिला बलौदा बाजार को गिरफ्तार किया है।

आरोपितों के कब्जे से नगद रकम 4950 रूपये, तीन नग नकली सोना का माला 342.190 ग्राम एवं एक नग मोबाइल जप्त किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी लिंगेश्वर सेठिया पिता जयसिंह सेठिया निवासी मंगनपुर थाना नगरनार के द्वारा लिखित रिपोर्ट दर्ज कराया कि 06 अगस्त 2026 को दो व्यक्ति इसके घर में आये एक व्यक्ति अपना नाम मोहन लाल निवासी भिलाई दुर्ग का रहने वाला बताते हुये बोले कि मुझे पैसो की आवश्यकता हैं। मेरे पास करीबन पांच लाख रूपये का सोने का हार है, बोलकर दिखाये तब प्रार्थी बोला कि इतने पैसो का इंतजाम नही हो पायेगा। तब आरोपित मोहन लाल अपने हार को देकर बोला कि कम से कम 10 हजार रूपये दे दीजिये , मेरे रिश्तेदार को रायपुर भेजना है। बाकी का पैसा कल तक दे दीजियेगा बोलने पर प्रार्थी द्वारा 10 हजार रूपये देकर हार रख लिया, और हार को रखकर सोनार के दुकान में जाकर जांच कराया तो हार मिक्स पीतल का निकला ।आरोपिता के द्वारा नकली सोना के हार को असली सोना का हार है, बताकर 10 हजार रूपये का ठगी किया गया है। रिपोर्ट पर आरोपितगण के खिलाफ अपराध सदर कायम कर विवेचना में लिया गया। फरार आरोपित मोहन लाल एवं एक अन्य की पतासाजी हेतु थाना प्रभारी निरीक्षक विकेश तिवारी के नेतृत्व में थाना स्तर पर टीम गठित कर मोहन लाल सोलंकी एवं मोहन राय को पकड़कर पुछताछ किया गया । पुछताछ में आरोपितों के द्वारा अपराध कारित करना कबुल करने पर उनके कब्जे से ठगी के रकम 4950 रूपये, दो नग सोने का नकली माला एवं प्रार्थी से पीतल मिक्स एक नग नकली सोना का माला को जप्त किया गया । आरोपितों को गिरफ्तार कर कार्रवाई उपरांत न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया है। इस कार्यवाही में निरीक्षक विकेश तिवारी, पीएसआई दीपक सिंह ठाकुर सउनि दिनेश ठाकुर, आर., विक्रम उरांव, सुरेन्द्र तिर्की अशोक सिंह ,डीएसएफ आरक्षक भास्कर भारद्वाज, कार्तिक नाग का योगदान रहा ।

छत्तीसगढ़ वन विभाग में 24 आईएफएस अधिकारियों को मिली नवीन पदस्थापना

रायपुर, 08 अगस्त (हि.स.)। छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वाराछत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा भारतीय वन सेवा के 24 अधिकारियों को नवीन पदस्थापना की गई हैं। आज जारी आदेश में कई जिलों के जिला वन अधिकारियों (डीएफओ) और उच्च स्तर के संरक्षकों की जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया है। जारी आदेश के अनुसार बलौदाबाजार के वन उप संरक्षक गणवीर धम्मशील को मंत्रालय में विशेष सचिव (वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग) के पद पर प्रतिनियुक्ति दी गई है। वहीं बस्तर के डीएफओ उत्तम कुमार गुप्ता को इंद्रावती टाइगर रिजर्व जगदलपुर का प्रभारी मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) एवं क्षेत्र निदेशक बनाया गया है। खैरागढ़ के डीएफओ पंकज राजपूत को अब रायपुर वन उप संरक्षक (प्रादेशिक) की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा रायपुर डीएफओ लोकनाथ पटेल को सरगुजा (अम्बिकापुर) और अम्बिकापुर डीएफओ रहे अभिषेक जोगावत को छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ में उप महाप्रबंधक बनाकर भेजा गया है। विभागीय आदेश के अनुसार, इस फेरबदल में वर्ष 2013 से लेकर 2022 बैच तक के अधिकारियों को शामिल किया गया है ताकि वन्यजीव प्रबंधन, वन संरक्षण और विभागीय कार्यों को अधिक गति दी जा सके।

छग : राशन की कतार से मिलेगी मुक्ति, रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर में तीन 'अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम' का शुभारंभ

रायपुर, 8 अगस्त (हि.स.)। छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडएस) को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने आज शनिवार को प्रदेश के पहले तीन 'अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम' का रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर में ऑनलाइन शुभारंभ किया। इस नवाचार के साथ छत्तीसगढ़ देश के उन चुनिंदा राज्यों में शामिल हो गया है, जहां ग्रेन एटीएम के माध्यम से हितग्राहियों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। यह पीडएस प्रणाली में पारदर्शिता के लिए राज्य सरकार बड़ी पहल है।

अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम के माध्यम से राशनकार्डधारी हितग्राही अब अपनी सुविधा के अनुसार 24म7 घंटे चावल प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए मशीन की स्क्रीन पर राशनकार्डधारी को अपना आधार नंबर अथवा राशनकार्ड नंबर दर्ज करना होगा और बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के बाद निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न प्राप्त किया जा सकेगा। इस सुविधा से उचित मूल्य की दुकानों में राशन लेने के लिए लगने वाली कतार और समय की बाध्यता से हितग्राहियों को राहत मिलेगी।

वन नेशन.वन राशनकार्ड से दूसरे राज्यों के हितग्राहियों को भी सुविधा

अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम की खासियत यह है कि छत्तीसगढ़ के राशनकार्डधारियों के साथ.साथ अन्य राज्यों के राशनकार्डधारी भी 'वन नेशन, वन राशनकार्ड' योजना के तहत बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त कर सकेंगे। इससे प्रवासी श्रमिकों और अन्य राज्यों से छत्तीसगढ़ आने वाले हितग्राहियों के लिए भी राशन प्राप्त करना आसान होगा।

छत्तीसगढ़ ग्रेन एटीएम संचालित करने वाला देश का पांचवां राज्य- अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम वर्तमान में उत्तराखंड, मेघालय, गुजरात और ओडिशा में संचालित हो रहे हैं। अब छत्तीसगढ़ भी ग्रेन एटीएम संचालित करने वाले राज्यों की सूची में शामिल हो गया है। प्रदेश में तीन ग्रेन एटीएम की शुरुआत पीडीएस व्यवस्था में तकनीक और नवाचार के प्रभावी उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

2500 किलोग्राम तक खाद्यान्न भण्डारण क्षमता- वर्ल्ड फूड प्रोग्राम के सहयोग से स्थापित अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम की भण्डारण क्षमता लगभग 2500 किलोग्राम है। मशीन में चावल की लोडिंग पूर्णतः स्वचालित प्रणाली से होगी। बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के बाद मशीन निर्धारित मात्रा में चावल उपलब्ध कराएगी। इससे खाद्यान्न वितरण की प्रक्रिया में पारदर्शिता और निगरानी को और मजबूत किया जा सकेगा।

गरीब से लेकर हर हितग्राही के लिए समय की बचत- खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और राज्य सरकार के मार्गदर्शन में पीडीएस व्यवस्था को आधुनिक, पारदर्शी और जनसुविधा केंद्रित बनाने के लिए लगातार नवाचार किए जा रहे हैं। अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। अब हितग्राही अपने अन्य कार्यों के बाद अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी समय राशन प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि, ग्रेन एटीएम के उपयोग से समय की बचत होगी और उचित मूल्य दुकानों में भीड़ तथा कतार की समस्या कम होगी। अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम के शुरू होने से छत्तीसगढ़ में राशन वितरण व्यवस्था अधिक आधुनिक, सुरक्षित, विश्वसनीय और सुविधाजनक बनेगी। तकनीक आधारित यह पहल हितग्राहियों को समय की बचत के साथ सम्मानजनक तरीके से खाद्यान्न प्राप्त करने की सुविधा देगी और पीडीएस में पारदर्शिता को नई मजबूती प्रदान करेगी।

पारदर्शी पीडीएस की दिशा में प्रभावी कदम- वर्ल्ड फूड प्रोग्राम की प्रतिनिधि नज़ीनो हॉसीमोनी ने छत्तीसगढ़ सरकार को इस नवाचार के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम की स्थापना राज्य सरकार, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल तथा खाद्य विभाग की सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले के प्रयासों से संभव हुई है। उन्होंने इसे पारदर्शी एवं प्रभावी पीडीएस प्रणाली की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। शुभारंभ अवसर पर शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडे, विधायक मोती लाल साहू, खाद्य विभाग की संचालक डॉ. फरिहा आलम नागरिक आपूर्ति निगम की एमडी इफ्फत आरा, अपर संचालक नीलिमा एल्मा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, हितग्राही उपस्थित थे।

नशा मुक्ति को लेकर युवाओं को किया जागरूक, छात्रों ने निकाली जनजागरूकता रैली

आगरा (निज संवाददाता) । डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के नेताजी सुभाष चंद्र बोस छलेसर परिसर में आज दिनांक 08 अगस्त को माननीय कुलपति प्रो आशु रानी जी की अध्यक्षता में नशा मुक्ति एवं जनजागरूकता विषय पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 'फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' के अंतर्गत कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं एवं छात्रों को नशे के बढ़ते दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम का मुख्य संदेश रहा 'नशा नहीं, शिक्षा चुनो; उज्ज्वल भविष्य स्वयं चुनो।' कार्यक्रम में नशे के दुष्परिणामों पर विस्तार से चर्चा की गई। नशा केवल व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि इससे परिवार, सामाजिक संबंध, शिक्षा, रोजगार और समाज की समग्र प्रगति पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। विशेष रूप से युवा वर्ग को नशे से दूर रखने के लिए परिवार, शैक्षणिक संस्थानों और समाज को मिलकर निरंतर जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत फार्मेसी, शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद तथा एग्रीकल्चर विभाग के लगभग 150 से अधिक छात्रों ने नशा मुक्ति जनजागरूकता रैली निकाली। छात्रों ने छलेसर परिसर के आसपास स्थित गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों एवं आमजन को नशे से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक किया। रैली में छात्रों ने हाथों में नशा विरोधी संदेशों से युक्त तख्तियां लेकर तथा प्रभावी नारों के माध्यम से लोगों से नशे से दूर रहने की अपील की। छात्रों ने लोगों को समझाया कि नशे की आदत व्यक्ति के भविष्य को अंधकारमय करने के साथ उसके परिवार की खुशियों और सामाजिक प्रतिष्ठा को भी प्रभावित कर सकती है। इसके स्थान पर शिक्षा, खेलकूद, योग, रचनात्मक गतिविधियों और सकारात्मक सोच को जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के संयोजक शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विभाग के निदेशक डॉ. अखिलेश चंद्र सक्सेना और फार्मेसी विभागाध्यक्ष डॉ. रवि शेखर रहे। डॉ. अखिलेश चंद्र सक्सेना ने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ साथ उसके परिवार और पूरे समाज को प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि युवा देश की सबसे महत्वपूर्ण शक्ति हैं और यदि युवा नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर शिक्षा, खेल एवं रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ें, तो वे राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

यूपी रोडवेज इम्प्लाइज यूनियन ने आगरा क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के खिलाफ आंदोलन का किया ऐलान

आगरा (निज संवाददाता)। यूपी रोडवेज इम्प्लाइज यूनियन, आगरा ने क्षेत्रीय प्रबंधक को एक ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र में निगम प्रबंधन द्वारा की जा रही मनमानी, कर्मचारियों के शोषण, उत्पीड़न और व्याप्त भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त रुख अख्तियार किया है। ?यूनियन के प्रांतीय अध्यक्ष पं. राम जी त्रिपाठी और महामंत्री तेज बहादुर शर्मा के अनुसार, आगरा क्षेत्र में निगम और जनहित की लगातार अनदेखी की जा रही है, जिससे संचालन का स्तर दिन-प्रतिदिन गिर रहा है। यूनियन ने आरोप लगाया है कि मुख्यालय के आदेशों की खुली अवहेलना हो रही है और प्रवर्तन कार्यों में लगे कर्मचारियों के साथ भेदभावपूर्ण अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा रही है।

मुख्य आरोप और समस्याएं:

भ्रष्टाचार का बोलबाला: चेकिंग, बैगवाइज, डिपो कार्यालय और डीजल अनुभाग कथित रूप से 'सुविधा शुल्क' के अड्डे बन गए हैं।

आर्थिक नुकसान: कुप्रबंधन के कारण 100 से अधिक बसें डिपो कार्यशालाओं में खड़ी रहती हैं, जिससे निगम को भारी आर्थिक क्षति हो रही है।

कर्मचारी शोषण: यूनियन पदाधिकारियों और सदस्यों का उत्पीड़न किया जा रहा है और अनुशासनात्मक मामलों व स्थानांतरणों में मनमानी की जा रही है।

सेवाओं में अनियमितता: मथुरा डिपो में मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा का संचालन निर्धारित मार्गों से हटकर हो रहा है, जिससे आम जनता को लाभ नहीं मिल पा रहा है।

यूनियन की प्रमुख मांगें:

पूर्व में हुए द्विपक्षीय वार्ताओं में बनी सहमति को तत्काल लागू किया जाए।

चालकों और परिचालकों के आर्थिक शोषण को बंद किया जाए।

डीजल औसत और लोडफैक्टर में गिरावट के लिए सीधे तौर पर संबंधित सुपरवाइजर्स/अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया जाए।

इलेक्ट्रिक बसों के लिए स्थायी मार्ग और समय-सारणी तत्काल निर्धारित की जाए।

यूनियन ने स्पष्ट किया है कि यदि 15 दिनों के भीतर प्रबंधन ने इन मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया, तो यूनियन बड़े पैमाने पर आंदोलन शुरू करने के लिए बाध्य होगी।

आगरा मंडल में चलाये गए विभिन्न टिकट जाँच अभियान से माह जुलाई में वसूला गया 2 करोड़ 58 लाख से अधिक का जुर्माना

रेल राजस्व में 19.29% की वृद्धि के साथ आगरा मंडल द्वारा बनाया गया नया रिकॉर्ड

आगरा (निज संवाददाता) । मण्डल रेल प्रबंधक आगरा श्री गगन गोयल के दिशा-निर्देश एवं वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक श्री अंकित गुप्ता के नेतृत्व में मण्डल वाणिज्य प्रबंधक श्री वीरेन्द्र सिंह तथा सहायक वाणिज्य प्रबंधक कोचिंग श्री संजय गौतम द्वारा मंडल के प्रभारी मुख्य टिकट निरिक्षकों, टिकट चेकिंग स्टाफ के साथ मंडल के सभी रेल खंडों/प्रमुख स्टेशनों पर माह जुलाई 2026 में एक मिशन के रूप में विभिन्न जांच अभियान (जैसे रनिंग ट्रेन चेक, स्पॉट चैक, किलेबंदी चैक, मजिस्ट्रेट चैक आदि) आयोजित किये गए, जिनके अंतर्गत आगरा मण्डल ने उक्त माह में 13955 बिना टिकट यात्रियों से रु0- 1.52 करोड़ , अनियमित यात्रा करने वाले 13222 यात्रियों से रु0-1.06 करोड़ एवं 11 बिना बुक सामान ले जाने वाले यात्रियों से रु0-4885 रुपये रेल राजस्व अर्जित किया गया । इस प्रकार उक्त माह में 27188 यात्रियों से कुल रु0-2.58 करोड़ का जुर्माना वसूल किया गया, जो की पिछले वर्ष की आय 2.17 करोड़ की तुलना में लगभग 19.29% अधिक है ।

जन संपर्क अधिकारी संजय कुमार गौतम द्वारा बताया गया कि इस प्रकार के टिकट जांच अभियान मण्डल में निरंतर चलाये जायेंगे, जिससे मंडल के अंतर्गत अनियमित यात्रा करने वाले यात्रियों पर रोक लगाई जा सके ।

अतः यात्रियों से अनुरोध है कि वह उचित टिकट लेकर तथा सीमा से अधिक सामान को बुक कराकर ही यात्रा करें तथा रेल परिसर मे गंदगी एवं धूम्रपान न करें ।

कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष समृद्धि दीक्षित के नेतृत्व में आज निकलेगी लोकतंत्र बचाओ तिरंगा यात्रा

धौलपुर (निज संवाददाता)। अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बी. वी. जी. के मार्गदर्शन एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवादल के प्रदेशाध्यक्ष हेम सिंह शेखावत के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस सेवादल धौलपुर द्वारा आज रविवार, 9 अगस्त 2026 को प्रातः 11:00 बजे लोकतंत्र बचाओ तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी यह तिरंगा यात्रा जिला कांग्रेस सेवादल धौलपुर की जिलाध्यक्ष समृद्धि दीक्षित के नेतृत्व में जिला कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष परवेज पठान की अध्यक्षता तथा जिला कांग्रेस सेवादल महिला विंग की जिलाध्यक्ष विनेश सैन के संयोजन में निकाली जाएगी। तिरंगा यात्रा पुराना हॉस्पिटल चौराहा से प्रारंभ होकर कोतवाली थाना जगह चौराहा सराय गजरा रोड पुराना डाकखाना चौराहा लाल बाजार एवं पुरानी सब्जी मंडी होते हुए गांधी पार्क स्थित शहीद स्मारक पहुंचेगी। यहां शहीद स्मारक पर माल्यार्पण कर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी तथा यात्रा का समापन होगा। जिला कांग्रेस सेवादल की जिलाध्यक्ष समृद्धि दीक्षित ने बताया कि लोकतंत्र बचाओ तिरंगा यात्रा राष्ट्र की एकता अखंडता संविधान एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति कांग्रेस सेवादल की प्रतिबद्धता का संदेश देगी। उन्होंने सांसद विधायक प्रत्याशी एआईसीसी एवं पीसीसी पदाधिकारी पीसीसी सदस्य जिला कांग्रेस पदाधिकारी ब्लॉक एवं नगर अध्यक्ष मंडल अध्यक्ष अग्रिम संगठनों विभागों एवं प्रकोष्ठों के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी जनप्रतिनिधि पार्षद मंडल एवं बूथ अध्यक्ष सहित समस्त कांग्रेसजनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर यात्रा को सफल एवं ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तिरंगे के सम्मान राष्ट्र की एकता एवं अखंडता तथा लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के संकल्प के साथ सभी कांग्रेसजन इस गौरवपूर्ण तिरंगा यात्रा में सहभागी बनें।

धौलपुर में भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश प्रवक्ता जयवीर पोसवाल के प्रथम आगमन पर कार्यकर्ताओं और किसानों ने किया भव्य स्वागत

धौलपुर (निज संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के राजस्थान प्रदेश प्रवक्ता बनने के बाद जयवीर पोसवाल के प्रथम धौलपुर आगमन पर जिलेभर में भाजपा कार्यकर्ताओं, किसानों एवं समर्थकों ने भव्य स्वागत किया। बरैठा बड़ा गांव सियापुरा मोड़ लाडमपुर तेरह पुलिया बाबरी हिनौता मोड़ मनियां सुआ का बाग ओडेला रोड चौराहा बस स्टैंड गुलाबबाग चौराहा जगदीश तिराहा प्रधान होटल भाजपा जिला कार्यालय सहित दर्जनभर स्थानों पर उनका फूल-मालाओं साफा पहनाकर एवं पुष्पवर्षा कर जोरदार अभिनंदन किया गया। भाजपा जिला कार्यालय पर भाजपा जिला अध्यक्ष राजवीर राजावत की नेतृत्व में सैकड़ो पदाधिकारी कार्यकर्ताओं एवं किसानों ने भव्य स्वागत सम्मान किया।इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता किसान एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। स्वागत कार्यक्रम पूरे मार्ग में उत्साह और जोश के साथ आयोजित किए गए जहां कार्यकर्ताओं ने जयवीर पोसवाल के समर्थन में नारे लगाए और उनके प्रदेश प्रवक्ता बनने पर खुशी व्यक्त की।बइस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता जयवीर पोसवाल ने सभी कार्यकर्ताओं किसानों एवं शुभचिंतकों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान केवल उनका व्यक्तिगत सम्मान नहीं बल्कि भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक समर्पित कार्यकर्ता और अन्नदाता किसान का सम्मान है। पोसवाल ने कहा, 'मैं भाजपा पार्टी नेतृत्व का हृदय से आभारी हूं, जिसने मुझ पर विश्वास व्यक्त करते हुए यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। धौलपुर की जनता भाजपा कार्यकर्ताओं और किसान भाइयों-बहनों द्वारा जो स्नेह सम्मान और आत्मीयता मुझे मिली है, वह मेरे लिए एक बड़ी जिम्मेदारी और प्रेरणा है। मैं संगठन की रीति-नीति के अनुरूप पूरी निष्ठा ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करते हुए किसानों की आवाज़ को मजबूती से उठाने तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास करता रहूंगा। आप सभी का यह प्रेम और विश्वास सदैव मेरी ताकत बना रहेगा।' उन्होंने पुनः सभी स्वागतकर्ताओं, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन की मजबूती और किसान हितों के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया। वहीं भाजपा जिला अध्यक्ष राजवीर राजावत ने कहा कि 'जयवीर पोसवाल को भाजपा किसान मोर्चा का प्रदेश प्रवक्ता बनाया जाना धौलपुर जिले के लिए गौरव की बात है। हमें विश्वास है कि वे संगठन की विचारधारा को मजबूती से आगे बढ़ाते हुए किसानों की आवाज़ को प्रभावी ढंग से प्रदेश स्तर पर उठाएंगे। उनके प्रथम धौलपुर आगमन पर कार्यकर्ताओं का उत्साह संगठन की एकजुटता का प्रतीक है। 'इस मौके पर काफी संख्या में भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता युवा वर्ग एवं किसान काफी संख्या में मौजूद रहे।

आगरा मूव्स बेटर-2026: मानसिक स्वास्थ्य संस्थान में 'Posture India' एवं 'Healthy Surgeons' जागरूकता कार्यक्रम, महिला मरीजों व स्टाफ की क्स्ष्ठ जांच

आगरा (निज संवाददाता)। आगरा ऑर्थोपेडिक सोसायटी (AOS) द्वारा चलाए जा रहे माहव्यापी जनस्वास्थ्य अभियान 'Agra Moves Better - 2026' के अंतर्गत आज मानसिक स्वास्थ्य संस्थान, आगरा में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों के लिए 'Posture India' तथा 'Healthy Surgeons - Safe Hands' विषय पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा से जुड़े लोगों में सही कार्यस्थल मुद्रा, रीढ़ की सुरक्षा तथा गर्दन और कमर की समस्याओं से बचाव के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम में चिकित्सकों एवं स्टाफ को लंबे समय तक बैठकर या खड़े होकर काम करने के दौरान सही posture, कार्यस्थल ergonomics, बीच-बीच में movement तथा अपनी musculoskeletal health का ध्यान रखने के व्यावहारिक तरीके बताए गए। संदेश दिया गया कि दूसरों की देखभाल करने वाले स्वास्थ्यकर्मियों के लिए स्वयं का स्वस्थ और pain-free रहना भी उतना ही आवश्यक है।

इसी अवसर पर संस्थान में भर्ती महिला मरीजों तथा महिला स्टाफ की Bone Mineral Density (BMD) जांच भी की गई। प्रतिभागियों को श्ह्यह्ल्ड्ढश्-porosis के जोखिम, कमजोर हड्डियों की समय रहते पहचान, संतुलित आहार, पर्याप्त protein-calcium, Vitamin D, नियमित शारीरिक गतिविधि तथा गिरने और fracture से बचाव के विषय में जानकारी दी गई। AOS के जन-जागरूकता कार्यक्रम में osteoporosis की शीघ्र पहचान और fracture prevention को विशेष महत्व दिया जा रहा है।

आज अभियान के अंतर्गत दूसरा कार्यक्रम कपूर ऑर्थोपेडिक सेंटर, शहीद नगर में आयोजित हुआ, जहां लोगों की BMD जांच की गई। डॉ. अरुण कपूर तथा डॉ. अंकित कपूर ने उपस्थित लोगों को osteoporosis, bone health और हड्डियों को मजबूत रखने के उपायों के बारे में जानकारी दी।

AOS ने कहा कि 'Agra Moves Better - 2026' केवल जांच शिविरों की श्रृंखला नहीं, बल्कि prevention और स्वस्थ जीवनशैली को घर-घर तक पहुंचाने का जन-जागरूकता अभियान है। अलग-अलग आयु और व्यावसायिक समूहों तक bone, joint, spine और musculoskeletal health का सरल एवं उपयोगी संदेश पहुंचाया जा रहा है।

कल भी तीन स्थानों पर जारी रहेगा अभियान

9 अगस्त को Agra Moves Better-2026 के अंतर्गत रामलला वृद्धाश्रम, डॉ. संजय प्रकाश, विजय नगर तथा चतुर्वेदी महिला मंडल, विजय क्लब में जागरूकता कार्यक्रम एवं BMD जांच आयोजित की जाएगी। विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं को osteoporosis, fall prevention, स्वस्थ हड्डियों और नियमित movement के महत्व के बारे में जागरूक किया जाएगा।

शिवहरे समाज का जिला स्तरीय समारोह आज

भिण्ड/शिवहरे समाज जिला भिंड द्वारा रविवार को शहर के संस्कृति मैरिज गार्डन में भव्य जिला स्तरीय समारोह का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम को लेकर समाजबंधुओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

समारोह के दौरान समाज के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष वीरेंद्र शिवहरे एवं नवगठित जिला कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई जाएगी।

प्रतिभाओं का प्रोत्साहन और बुजुर्गों का सम्मान

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में शिक्षा को बढ़ावा देना और बुजुर्गों के मार्गदर्शन को नमन करना है। समारोह में मेधावी छात्र सम्मानः बोर्ड परीक्षाओं में 85 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया जाएगा।

वरिष्ठजन सम्मानः समाज के उत्थान में योगदान देने वाले वरिष्ठ नागरिकों एवं समाजसेवियों का विशेष अभिनंदन किया जाएगा।

गरिमामयी रहेगी अतिथियों की उपस्थिति

आयोजन में राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र की प्रमुख हस्तियों की मौजूदगी रहेगीः

मुख्य अतिथिः आगरा विधायक विजय शिवहरे, भिंड विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह तथा इटावा भाजपा जिलाध्यक्ष अरुण गुप्ता।

यूआईटी आरजीपीवी कॉलेज में रैगिंग के आरोपः सीनियर छात्रों की जांच जारी, मेस से शुरू हुआ था विवाद

शिवपुरी (निज संवाददाता)। जिले के सतनवाड़ा स्थित यूआईटी आरजीपीवी कॉलेज में सीनियर छात्रों पर रैगिंग के आरोपों को लेकर जांच शुरू हो गई है। करीब 5 से 6 सीनियर छात्रों के खिलाफ एंटी रैगिंग पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई गई है। खास बात यह है कि यह मामला कॉलेज की मेस में भोजन की गुणवत्ता को लेकर शुरू हुए विवाद के बाद सामने आया है। सीनियर छात्रों का आरोप है कि मेस के खिलाफ उनके द्वारा किए जाने वाले विरोध-प्रदर्शन को दबाने के लिए उन्हें टारगेट किया जा रहा है। वहीं कॉलेज प्रबंधन का कहना है कि जूनियर छात्रों की ओर से रैगिंग की शिकायत दर्ज कराई गई है और मामले की नियमानुसार जांच की जा रही है।

कंप्यूटर साइंस थर्ड ईयर के छात्र निखिन मिश्रा और चंद्र कुमार ने बताया कि मेस में लंबे समय से भोजन की गुणवत्ता ठीक नहीं होने की शिकायत थी। विद्यार्थियों के खाने में कीड़े मिलने और बासी भोजन परोसे जाने की शिकायत भी छात्रों ने की थी। इस संबंध में कलेक्टर से भी शिकायत की गई थी। छात्रों का कहना है कि उन्होंने मेस संचालक के खिलाफ एफआईआर कराने की बात भी कही थी।

सीनियर छात्रों के मुताबिक, इसके बाद उन्हें टारगेट किया जाने लगा। थर्ड ईयर के छात्रों के हॉस्टल कमरों की चेकिंग कराई गई, लेकिन छात्रों का कहना है कि जांच में कोई आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली। इसके बाद करीब पांच सीनियर छात्रों के खिलाफ एंटी रैगिंग की शिकायत सामने आई। छात्रों का आरोप है कि मेस के खिलाफ प्रस्तावित प्रदर्शन को रोकने के लिए उन्हें रैगिंग के मामले में फंसाया जा रहा है।

सीनियर छात्रों ने मेस संचालक के पास फूड लाइसेंस नहीं होने का आरोप भी लगाया है। हालांकि, इस आरोप की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

जूनियर छात्रों ने मेस व्यवस्था को बताया ठीक

वहीं फर्स्ट ईयर के छात्रों ने सीनियर छात्रों के आरोपों से अलग राय रखी है। अभय जादौन, शुभम धाकड़ सहित अन्य छात्रों ने बताया कि उन्हें मेस में अच्छा खाना मिल रहा है और मेस संचालक का व्यवहार भी ठीक है। छात्रों के मुताबिक करीब 100 विद्यार्थी प्रतिदिन मेस में खाना खाते हैं।

जूनियर छात्रों ने कुछ सीनियर छात्रों पर मेस संचालक को हटाने के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि कुछ सीनियर छात्र मेस संचालक को पैसे नहीं देते और बाहर से भी खाना मंगवाते हैं।

प्रबंधन बोला- दोनों पक्षों की शिकायतों की जांच जारी

यूआईटी आरजीपीवी के डायरेक्टर एसके धाकड़ ने बताया कि थर्ड ईयर के छात्रों ने मेस संचालक को हटाने की शिकायत दर्ज कराई है। वहीं फर्स्ट और सेकेंड ईयर के छात्रों ने मेस संचालक को यथावत रखने के लिए आवेदन देकर खाने की व्यवस्था पर संतुष्टि जताई है। प्रबंधन दोनों पक्षों की शिकायतों को देखते हुए मामले की जांच कर रहा है।

डायरेक्टर ने बताया कि छात्रों को भोजन को लेकर परेशानी न हो, इसके लिए एक अन्य खाने की व्यवस्था भी की जा रही है। वहीं एंटी रैगिंग पोर्टल पर करीब 5 से 6 सीनियर छात्रों के खिलाफ ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई गई है। इस मामले में दिल्ली से प्रतिवेदन मांगा गया है। जांच पूरी होने के बाद कॉलेज प्रबंधन अपनी रिपोर्ट भेजेगा। रिपोर्ट के आधार पर जो तथ्य सामने आएंगे, उसके अनुसार नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

रतन बिहार वाटिका में हुआ रफी नाइट का आयोजन

दतिया (निज संवाददाता)। मशहूर गायक भारत रत्न स्व. मोहम्मद रफी की स्मृति में 6 अगस्त को रतन बिहार वाटिका दतिया में भव्य रफी नाइट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के संगीत प्रेमियों एवं कलाकारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मोहम्मद रफी के सदाबहार गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को देर रात तक मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तहसीलदार अजय झा थे विशिष्ट अतिथि के रूप में उमेश बृजपुरिया एवं शांतनु अग्रवाल उपस्थित रहे। अतिथियों ने स्व. मोहम्मद रफी के संगीत जगत में अमूल्य योगदान को याद करते हुए कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

इन युवाओं ने दिखाया अपनी आवाज का हुनर.....कार्यक्रम के दौरान दतिया के वीरेंद्र चतुर्वेदी, बसंत शर्मा, राजदीप श्रीवास्तव, अजय पंजवानी, दिनेश श्रीवास्तव, गोपाल चौधरी, अजय तिवारी, धर्मेश चौरसिया, उमेश राजपूत, सोबरन सिंह, अमित श्रीवास्तव, विजय बुंदेला, रामकुमार श्रीवास्तव, विनीता प्रजापति, विनीत पाठक, नीलम पाठक, चित्रा श्रीवास्तव, राघवेन्द्र श्रीवास्तव, साधना सिंह, ममता अहिरवार, कमल माला मैडम, मनोज चौरसिया, प्रवीण श्रीवास्तव, विनीत वर्मा, अजय मिश्र, प्रशांत श्रीवास्तव, मुकेश श्रीवास्तव एवं रामकुमार नीखरा ने मोहम्मद रफी के लोकप्रिय गीतों की शानदार प्रस्तुतियां देकर खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागी गायकों एवं सहयोगियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों, कलाकारों एवं उपस्थित संगीत प्रेमियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों के निरंतर आयोजन का संकल्प व्यक्त किया।

पीएसवाई एवं जेएसवाई संबंधी सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की समीक्षा बैठक आयोजित

दतिया (निज संवाददाता)। पीएसवाई एवं जेएसवाई से संबंधित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के त्वरित एवं गुणवत्ता पूर्ण निराकरण को लेकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बीके वर्मा की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में लंबित शिकायतों की स्थिति की बिंदुवार समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में डीपीएम, एम एंड ई, बीएमओ, बीपीएम एवं बीएएम सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएमएचओ डॉ. वर्मा ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन शासन की महत्वपूर्ण जनसुनवाई व्यवस्था है, जिसके माध्यम से आमजन अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन तक पहुंचाते हैं। अतः पीएसवाई एवं जेएसवाई से संबंधित शिकायतों का निराकरण संवेदनशीलता, पारदर्शिता के साथ निर्धारित समय-सीमा में किया जाना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक लंबित प्रकरण का गंभीरता से परीक्षण कर समस्या के वास्तविक कारणों की पहचान की जाए तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराया जाए।

उन्होंने यह भी कहा कि शिकायतों के निराकरण के दौरान संबंधित हितग्राही से समुचित संवाद स्थापित कर उसकी संतुष्टि सुनिश्चित की जाए, ताकि प्रकरणों का प्रभावी एवं स्थायी समाधान हो सके। बैठक में लंबित प्रकरणों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करने तथा मैदानी स्तर पर आने वाली समस्याओं का समय पर समाधान करने के निर्देश दिए गए। सीएमएचओ ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में संबंधित अधिकारियों ने प्रकरणों के निराकरण की प्रगति से अवगत कराया तथा निर्धारित समय-सीमा में शेष शिकायतों के निराकरण का आश्वासन दिया।

पीएमश्री हाई स्कूल तगा में गुरु वंदन-छात्र अभिनंदन कार्यक्रम का पंचम आयोजन संपन्न

दतिया। 8 अगस्त 2026 को पीएमश्री हाई स्कूल तगा में भारत विकास परिषद शाखा दतिया द्वारा आयोजित गुरु वंदन-छात्र अभिनंदन कार्यक्रम की श्रृंखला के पंचम आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सम्माननीय सदस्यों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन गतिविधि संयोजक चक्रेश जैन ने किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि लक्ष्मण पेकरा एवं मुख्य अतिथि संतोष कुमार अग्रवाल, प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भाण्डेर रहे। अतिथियों द्वारा गुरुजनों एवं छात्रों को सम्मानित किया गया। भारत विकास परिषद शाखा दतिया के अध्यक्ष संजीव नाहर ने अपने उद्बोधन में परिषद द्वारा समाज के प्रति समर्पित भाव से किए जा रहे विभिन्न सेवा एवं संस्कार कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम की संपूर्ण व्यवस्थाएं कार्यक्रम संयोजक शंकर सहाय गुप्ता के नेतृत्व में संपन्न हुईं। परिषद के संस्कार प्रकल्प की भावना को विद्यार्थियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से 5 गुरुजनों का छात्रों द्वारा शॉल, माला एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में 10 शिक्षकों एवं 20 छात्रों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में परिषद के सदस्यों व विद्यालय के लगभग 200 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम के अंत में स्वामी विवेकानंद जयंती संयोजक देवेंद्र बादल द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

कार्यक्रम उपरांत विद्यालय परिवार एवं परिषद सदस्यों द्वारा परिषद के नवीन सदस्य गिरीश गुप्ता (सोनू) का जन्म दिवस भी उत्साह पूर्वक मनाया गया। उन्हें माला पहनाकर एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। उपस्थित सदस्यों एवं बच्चों ने बधाई गीत प्रस्तुत कर उन्हें जन्म दिवस की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी सदस्यों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए आगामी कार्यक्रमों में भी परिषद के सभी सदस्यों से इसी प्रकार सहयोग एवं सहभागिता की अपेक्षा की गई।

रास-जेबी स्कूल मे हेडवॉय एवं हेडगर्ल का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न, बच्चों ने किया आकर्षक मार्च पास्ट

दतिया (निज संवाददाता)। रास-जेबी पब्लिक स्कूल झांसी रोड़ दतिया में शिक्षा सत्र 2026-27 के लिए बनाये गए हेडवॉय एवं हेडगर्ल का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में विद्यालय के डायरेक्टर राजेश मोर, अमित शर्मा, बृजेन्द्र सिंह कौरव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मॉ सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन कर सरस्वती वंदना से की गई। इस दौरान अतिथियों द्वारा हैडवॉय दिव्यांष यादव, हैडगर्ल शैली गुप्ता, डिप्टी हैडवॉय राज नारायण श्रीवास्तव, डिप्टी हैडगर्ल दिव्यानजली मौर्य, स्पोर्टस कैप्टन स्नेहा योगी, स्पोर्टस वाईस कैप्टन विक्रम सिंह गुर्जर को बैच प्रदान कर सेसे भी पहनाएं गए। ज्ञातव्य है कि विद्यालय में हैडवॉय एवं हैडगर्ल का चयन विगत दिनों निर्वाचन प्रक्रिया के तहत् किया गया था। इसीक्रम में विद्यालय के कलाम हाउस, टेरसा हाउस, रमन हाउस और चावला हाउस के कैप्टन और वाईस कैप्टन, डिसीप्लेन इंचार्ज, सीसीए इंचार्ज वऔर इको क्लब मैम्बर, असेमबली इंचार्ज नियुक्त किए गए जिन्हें भी पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने आकर्षक स्कूल बैण्ड़ की धुन पर मार्चपास्ट की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान प्रायमरी के विद्यार्थियों के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन भी किया गया। जिसमें बच्चो को शपथ दिलाई गई। जिन विद्यार्थियों को हाउस कैप्टन वाईस कैप्टन बनाया गया है उनमें कलाम हाउस की कैप्टन श्रेया पुरोहित, वाईस कैप्टन वैदेही शर्मा, डिसीप्लेन इंचार्ज मुस्कान शर्मा, सीसीए युवराज दांगी, इको क्लब मैम्बर उन्नति दिवोलिया, असेम्बली इंचार्ज सलौनी कुशवाहा, टेरिसा हाउस कैप्टन नैन्सी शर्मा, वाईस कैप्टन नम्रता, डिसीप्लेन इंचार्ज खनक तिवारी, सीसीए इंचार्ज रिद्धिमा सक्सैना, ईकोक्लब तपस्या शर्मा, असेम्बली इंचार्ज रिद्धिमा खरे, रमन हाउस कैप्टन श्रृष्टि पचौरी, वाईस कैप्टन देवांश श्रीवास्तव, ईको क्लब मेम्बर परी दुबे, डिसीप्लेन इनचार्ज तेजस्वनी भगत, असेम्बली इंचार्ज काजल दांगी, सीसीए इंचार्ज रिषिका राजपूत और चावला हाउस कैप्टन शुभ भार्गव, वाईस कैप्टन आयुष बुलकिया, इको क्लब मैम्बर धैर्या शर्मा, डिसीप्लेन इंचार्ज सोम्या गुप्ता, असेबली इंचार्ज श्यामली सोनी और सीसीए इंचार्ज में नैन्सी दांगी के नाम शामिल है। इसी प्रकार कक्षा प्रथम से 5वीं तक के जिन विद्यार्थियो को जूनियर हाउस कैप्टन, वाईस कैप्टन, असेम्बली और ईको क्लब इंचार्ज बनाया गया है उनमे चावला हाउस के लिए क्रमशः धैर्य अर्गल, अनिका वत्स, यष प्रताप अवस्थी, षिवन्या यादव रमन हाउस के लिए वैदेही शर्मा, मयंक परिहार, अमायरा शर्मा, अहाना गुप्ता, कलाम हाउस के लिए नायरा दांगी, गौरी शर्मा, पार्थ शर्मा, हर्षल तिवारी और टेरसा हाउस के लिए पलक रजक, कृष्णा दांगी, कबीर सक्सैना, मयंक राजपूत के नाम शामिल है। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर राजेश मोर द्वारा निर्वाचित हैडवॉय, हैडगर्ल सहित सभी मैम्बरों को बधाई देते हुए कहा कि आज आप सभी लोगों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली है अब आप लोगों को अपने पद की गरिमा के अनुरूप कार्य करना है।

इस अवसर पर विद्यालय के मैनेजर अतुल जैन, प्राचार्य अभय सक्सैना, सीसीए इन्चार्ज दिव्या कुकरेजा, अनिल प्रजापति, सिद्धांत भट्ट, हरीश विश्वकर्मा, अंकित कुमार, कीर्ति रिछारिया, रिद्धी तिवारी सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन कोर्डीनेटर सृष्टी चंद्राणी एवं निखिल पंबानी ने किया।

भांडेर-मौंठ मार्ग रपटा पर आया बाढ का पानी, आवागमन बंद, अधिकारियों ने निरीक्षण कर तैनात किया सुरक्षा बल

दतिया (निज संवाददाता)। भांडेर के निकट भांडेर-मोंठ मार्ग पर स्थित पहुज नदी रपटा का एसडीएम विजेंद्र यादव एवं डिप्टी कलेक्टर सूरज सिंह गुर्जर ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने रपटा पर जलस्तर एवं आवागमन की स्थिति का जायजा लिया। सुरक्षा की दृष्टि से रपटा पर किसी भी प्रकार का आवागमन नहीं पाया गया। साथ ही संबंधित पुलिस थाना द्वारा मौके पर पुलिस बल की व्यवस्था की गई है ताकि किसी भी व्यक्ति को जोखिम लेकर रपटा पार करने से रोका जा सके। ज्ञात रहे कि जब रपटा के ऊपर से पानी निकाल रहा था उस समय भी लोग जान जोखिम में डाल कर रपटा के ऊपर से निकल रहे थे जिसका विडियो वायरल होने के बाद प्रशासन चैता और रिटेल का निरीक्षण करने अधिकारियों की टीम पहुंची तब जाकर रपटे पर आवागमन

बंद कराया जा सका। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद पुलिस बल को सतत निगरानी रखने तथा जलस्तर में वृद्धि होने की स्थिति में तत्काल आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रशासन द्वारा आमजन से अपील की गई है कि जलभराव एवं नदी-नालों के बढ़े हुए जलस्तर वाले स्थानों पर अनावश्यक रूप से न जाएं तथा प्रशासन द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का पालन करें।

थाना रन्नौद पुलिस द्वारा नाबालिग अपहृता को दस्तयाब किया गया एवं आरोपी छोटे उर्फ छोटू बाथम को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया व जेल भेजा गया

ग्राम लालपुर के फरियादी द्वारा अपनी नाबालिग बहन के घर से चले जाने के संबंध मे रिपोर्ट करने पर थाना रन्नौद पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था।

पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया जी के द्वारा नाबालिग बालिका को शीघ्र दस्तयाबी करने हेतु निर्देश दिये गये। जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री आर.डी. प्रजापति एवं एसडीओपी कोलारस श्री संजय मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन में अविलम्ब कार्यवाही करते हुये अपहृता नाबालिग बालिका को दस्तयाब करने के लगातार सघन प्रयास किये गये एवं मिलने के संभावित स्थानो पर पुलिस पार्टियां भेजी गई व दिनांक 6.8.2026 को बालिका को दस्तयाब किया गया बालिका के कथनो के आधार पर आरोपी छोटे उर्फ छोटू बाथम (केवट) द्वारा भगाकर ले जाना व शादी कर शारीरिक संबंध बनाकर गलत काम करना बताया है जिससे प्रकरण में धारा 87 , 65(1) बीएनएस एवं 5एल/6 पाक्सो एक्ट एवं 3(2)(1), 3(1)(2)(द्व) एससी एसटी एक्ट का अपराध आरोपी छोटे उर्फ छोटू बाथम (केवट) के विरुद्ध पाया जाने से उसे प्रकरण मे नामजद कर आरोपी की गिरफ्तारी के सघन प्रयास कर दिनांक 7.8.2026 को गिरफ्तार किया जाकर माननीय न्यायालय में पेश किया गया माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी को जेल भेजा गया है ।

बालिका को दस्तयाब करने एवं आरोपी को गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी रन्नौद उप निरीक्षक राजीव कुमार दुबे , सउनि जयनारायण , आर. 814 महेश सिंह , प्रआर 596 नरेश कुमार शर्मा , म.आर. 457 कृष्णा पाल , आर. 1132 सर्वेश शर्मा , आर. 191 वकील गुर्जर , आर. 886 सिद्धनाथ गौड की सराहनीय भूमिका रही है ।

पार्कों और सार्वजनिक स्थानों पर पुलिस का पहरा, मनचलों को सख्त चेतावनी

महिला थाना प्रभारी यासमीन खान की टीम ने बायपास से भगत सिंह पार्क तक की सघन चेकिंग

महिलाओं और छात्राओं से सीधा संवाद, सुरक्षा संबंधी समस्याएं जानीं; संदिग्ध युवकों को दी अनुशासन में रहने की हिदायत

ज़िला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। शहर में महिलाओं एवं छात्राओं की सुरक्षा को लेकर श्योपुर पुलिस ने अब सार्वजनिक स्थानों पर निगरानी और गश्त बढ़ा दी है। पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत शनिवार को महिला थाना प्रभारी निरीक्षक यासमीन खान ने पुलिस बल के साथ शहर के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर सघन भ्रमण एवं चेकिंग की।

पुलिस टीम ने बायपास रोड, भगत सिंह पार्क

सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर पहुंचकर मौके की स्थिति का जायजा लिया। अचानक पुलिस की सक्रियता से सार्वजनिक स्थानों पर अनावश्यक रूप से घूमने वाले युवकों में भी हड़कंप की स्थिति देखने को मिली।

महिलाओं और छात्राओं से सीधे पूछा— कोई परेशानी तो नहीं?

अभियान के दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने पार्क एवं सार्वजनिक स्थानों पर मौजूद महिलाओं और छात्राओं से संवाद किया। उनसे उनकी सुरक्षा को लेकर जानकारी ली गई और किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने के लिए जागरूक किया गया।

महिला थाना प्रभारी यासमीन खान ने छात्राओं एवं महिलाओं से कहा कि छेड़छाड़, अभद्रता, पीछा करने अथवा किसी भी प्रकार की असुरक्षा महसूस होने पर चुप न रहें और तत्काल पुलिस को सूचना दें। पुलिस ने भरोसा दिलाया कि सूचना मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

अनावश्यक घूमने वालों को साफ संदेश— सार्वजनिक जगहों पर अनुशासन रखें

पुलिस टीम ने सार्वजनिक स्थानों पर अनावश्यक रूप से घूम रहे युवकों को भी समझाइश दी। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थलों पर किसी भी प्रकार की अशोभनीय गतिविधि, महिलाओं अथवा छात्राओं को परेशान करने या कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाले व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पुलिस ने युवाओं से सार्वजनिक स्थानों पर अनुशासन बनाए रखने और किसी भी ऐसी गतिविधि से दूर रहने की हिदायत दी, जिससे महिलाओं एवं छात्राओं को असहजता महसूस हो।

सुरक्षित माहौल बनाने पर पुलिस का फोकस

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक अभियान का उद्देश्य केवल चेकिंग करना नहीं, बल्कि महिलाओं और छात्राओं में सुरक्षा की भावना बढ़ाना तथा पुलिस और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना भी है। पुलिस का कहना है कि सार्वजनिक स्थानों पर नियमित भ्रमण और निगरानी के साथ-साथ महिलाओं एवं छात्राओं से संवाद कर उनकी समस्याएं जानने से असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

एसपी के निर्देश पर लगातार जारी रहेगा अभियान

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के आदेश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण भूरिया के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा है। पुलिस के अनुसार महिलाओं एवं छात्राओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सार्वजनिक स्थानों पर निगरानी और चेकिंग की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

दतिया रेलवे ट्रैक पर मिला अज्ञात युवक का शव, पहचान में जुटी जीआरपी

दतिया। रेलवे स्टेशन के थर्ड लाइन पर शनिवार को करीब 24-25 वर्षीय युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। दतिया यार्ड के

किलोमीटर नंबर 1152 पर युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत बताई जा रही है। सूचना पर जीआरपी चौकी दतिया ने शव कब्जे में लेकर पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं। युवक के संबंध में जानकारी होने पर प्रधान आरक्षक 251 या जीआरपी चौकी दतिया पर संपर्क किया जा सकता है। चौकी प्रभारी राजकुमार मिश्रा ने लोगों से सहयोग की अपील की है।

महुआ की मिलावट की शिकायत पर 4.5 टन सरसों का तेल जब्त

- खाद्य सुरक्षा विभाग ने की छापामार कार्रवाई

भिण्ड। मौ क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा अधिकारी रीना बंसल द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई। काफी दिनों से शिकायत मिल रही थी कि कुछ तेल कारोबारी अवैध रूप से महुआ की गुली मिलाकर सरसों का तेल बना रहे हैं। इसी शिकायत के आधार पर प्रशासन की टीम ने प्रो. पवन कुमार अग्रवाल द्वारा तारोली रोड वार्ड नं.14 में संचालित पवन इंडस्ट्रीज पर छापामार कार्रवाई खाद्य सुरक्षा अधिकारी रीना बंसल द्वारा की गई। कार्रवाई के दौरान क्षेत्र के तहसीलदार, पटवारी, कोतवाल एवं पुलिस बल भी साथ में मौजूद रहे।

जांच में पाया गया कि तेल कारोबारी प्रतिष्ठान में बिना खाद्य लाइसेंस के अवैध रूप से तेल का कारोबार चला रहा था। छापामार कार्रवाई के दौरान तेल कारोबारी ने बहुत समय तक शटर नहीं खोला, जिसके बाद पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने शटर खुलवाकर जांच की। जांच में 4.5 टन सरसों का तेल बरामद हुआ जिसकी अनुमानित कीमत 7 लाख रुपए है। मौके से सरसों के तेल के नमूने जांच हेतु एकत्रित किए गए हैं। उक्त नमूने जांच के लिए भोपाल भेजे जाएंगे। प्रशासन द्वारा जब्त माल को सीज कर दिया गया है तथा नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

खाद के लिए कतार, भाजपा सरकार में अन्नदाता बेहाल : रामशेष

- नई गल्ला मण्डी में खाद वितरण व्यवस्था पर कांग्रेस का तीखा हमला

भिण्ड (निज संवाददाता)। नई गल्ला मण्डी भिण्ड में खाद वितरण व्यवस्था का निरीक्षण करने पहुंचे ग्रामीण कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष रामशेष बघेल ने किसानों की परेशानियों को लेकर भाजपा सरकार और प्रशासन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसानों के हित में बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि अन्नदाता खाद के लिए रात 3 बजे से कतार में खड़ा होने को मजबूर है।

बघेल ने कहा कि नई गल्ला मण्डी में खाद लेने के लिए किसान, मातृशक्ति और बहन-बेटियां रात के अंधेरे से ही लाइन में लग जाती हैं। घण्टों भूखे-प्यासे अपनी बारी का इंतजार करने के बाद भी उन्हें खाद मिलने की कोई गारंटी नहीं रहती। दूसरी ओर संबंधित अधिकारी सुबह करीब 11 बजे काउंटर पर पहुंचते हैं और शाम 5 बजे काउंटर बंद कर दिए जाते हैं।

किसान रातभर लाइन में, सरकार और अधिकारी चैन की नींद में

बघेल ने कहा कि जब किसान रात 3 बजे से खाद के लिए कतार में खड़ा है तो वितरण व्यवस्था सुबह से ही प्रभावी क्यों नहीं की जा रही, यदि किसानों की संख्या अधिक है तो अतिरिक्त काउंटर क्यों नहीं खोले जा रहे, वितरण का समय क्यों नहीं बढ़ाया जा रहा। उन्होंने कहा कि किसान रातभर लाइन में खड़ा रहे और अधिकारी निर्धारित समय के बाद काउंटर बंद कर दें, इससे बड़ी विडंबना क्या होगी। कई किसान पूरा दिन इंतजार करने के बाद भी बिना खाद लिए वापस लौटने को मजबूर हैं।

भाजपा सरकार के किसान सम्मान के दावों की खुल रही पोल

बघेल ने कहा कि भाजपा सरकार लगातार किसान हितैषी होने का दावा करती है, लेकिन खाद के लिए किसानों की लंबी कतारें और उनकी परेशानियां सरकार के उन दावों की जमीनी हकीकत सामने ला रही हैं। उन्होंने कहा कि जिस अन्नदाता के खेत से देश का पेट भरता है, उसे अपनी फसल बचाने के लिए खाद के लिए दर-दर भटकना पड़े, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। विशेषकर छोटे और सीमांत किसान सबसे ज्यादा परेशान हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद किसान खेती में लागत लगा रहा है,लेकिन समय पर डीएपी और यूरिया नहीं मिलने से उसकी चिंता बढ़ती जा रही है।

कागजों में नहीं,जमीन पर चाहिए किसान हितैषी व्यवस्था

बघेल ने कलेक्टर से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि खाद वितरण केन्द्रों पर काउंटरों की संख्या बढ़ाई जाए,पर्याप्त मात्रा में डीएपी एवं यूरिया उपलब्ध कराया जाए, वितरण का समय बढ़ाया जाए तथा भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए प्रभावी व्यवस्था बनाई जाए। उन्होंने कहा कि किसानों को घंटों लाइन में खड़ा रखने के बजाय ऐसी व्यवस्था बनाई जाए, जिससे उन्हें कम से कम समय में खाद उपलब्ध हो सके। महिलाओं, बुजुर्गों और छोटे किसानों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

व्यवस्था नहीं सुधरी तो कांग्रेस सड़कों पर उतरेगी

उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसानों की इस परेशानी को चुपचाप नहीं देखेगी। यदि शीघ्र खाद वितरण व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ और किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध नहीं कराई गई तो ग्रामीण जिला कांग्रेस कमेटी किसानों के अधिकारों की लड़ाई सड़क से लेकर प्रशासन तक लोकतांत्रिक तरीके से लड़ेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा किसानों के सुख-दुःख में उनके साथ खड़ी रही है और आगे भी अन्नदाता की आवाज को मजबूती से उठाती रहेगी।

बघेल ने कहा कि किसान को लाइन नहीं, समय पर खाद चाहिए। किसान को आश्वासन नहीं, व्यवस्था चाहिए। अन्नदाता को अपमान और इंतजार नहीं, सम्मान और सुविधा चाहिए। किसान मजबूत होगा, तभी देश मजबूत होगा। अन्नदाता का सम्मान ही हमारा संकल्प है। इस अवसर पर संगठन महासचिव महेश जाटव, ब्लॉक अध्यक्ष मेहगांव देवेन्द्र निगम, केदार कौशल, रामजीलाल रामा वाल्मीकि, रामस्वरूप गोयल, राजेन्द्र यादव, नगर अध्यक्ष व पार्षद मेहगांव बदन राठौर, पार्षद बल्लू बघेल, मनीष शिवहरे, अभिषेक मौर्य, संदीप बघेल, प्रमोद बघेल आदि उपस्थिति रहे।

लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ समय पर और सही ढ़ंग से मिले : कलेक्टर

- मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के संबंध में जिला अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित

भिण्ड। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के संबंध में समस्त जिला अधिकारियों की समीक्षा बैठक कलेक्टर किरोड़ीलाल मीणा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। जिसमें योजनाओं के क्रियान्वयन, उपलब्धियों, सामने आई समस्याओं, ग्राम पंचायत की आवश्यकताओं और आगे की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा हुई। कलेक्टर ने अधिकारियों से पंचायतों में किए गए जनसंवाद के दौरान मिले फीडबैक की जानकारी ली तथा अधिकारियों को जनसंवाद के निष्पक्ष और प्रभावी संचालन का निर्देश दिया।

कलेक्टर किरोड़ीलाल मीणा ने विशेष रूप से कहा कि जनसंवाद केवल योजनाओं का वितरण नहीं है, बल्कि इसका लक्ष्य लोगों के जीवन स्तर में वास्तविक परिवर्तन लाना है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक पंचायत में यह देखना अनिवार्य है कि क्या लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ समय पर और सही ढ़ंग से मिल रहा है। साथ ही उन्होंने पंचायतों में प्रमुख समस्याओं, बार-बार उठीं शिकायतों और लोगों द्वारा आवश्यक सुविधाओं की मांग पर विशेष ध्यान देने को कहा।

बैठक में निर्देश दिए गए कि जनसंवाद के दौरान प्राप्त शिकायतों और सुझावों को गंभीरता से लेते हुए त्वरित निवारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने योजनाओं का क्रियान्वयन, ग्रामीण विकास और नागरिक सुविधाओं में समन्वय बढ़ाने, समयबद्ध कार्रवाई के साथ शिकायत निवारण सुनिश्चित करने और निरंतर संवाद कायम रखने पर भी जोर दिया।

ऊमरी के पास प्रस्तावित नए टोल पर कांग्रेस का सवाल, जनता पर दोहरा आर्थिक बोझ क्यों

- सात दिन में जांच और कार्रवाई की मांग, आंदोलन की चेतावनी

भिण्ड (निज संवाददाता)। ऊमरी के पास प्रस्तावित नए टोल बूथ को लेकर ग्रामीण कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष रामशेष बघेल ने शासन-प्रशासन और मप्र रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन से पूरे मामले की पारदर्शी जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जब इसी मार्ग पर पहले से टोल शुल्क लिया जा रहा है, तो उसी क्षेत्र में नया टोल लगाने का औचित्य क्या है। उन्होंने मांग की है कि प्रस्तावित टोल की परियोजना, सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति, टोल वसूली का वैधानिक आधार और शुल्क निर्धारण से संबंधित दस्तावेज जनता के सामने रखे जाएं। बघेल ने कहा कि ऊमरी एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को नियमित आवागमन करना पड़ता है। इसलिए स्थानीय ग्रामीणों, किसानों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों और नियमित यात्रियों के लिए प्रस्तावित टोल में छूट अथवा राहत का क्या प्रावधान है, यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए। उन्होंने कलेक्टर से मांग की कि संबंधित विभाग से प्रस्तावित टोल की वैधानिकता, स्वीकृति, परियोजना दस्तावेज और शुल्क निर्धारण के आधार की निष्पक्ष जांच कराई जाए। उन्होंने कहा कि सात दिन के भीतर नियमानुसार कार्रवाई कर स्थिति स्पष्ट नहीं की गई तो जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) जनता के हित में शांतिपूर्ण एवं संवैधानिक आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि विकास के नाम पर जनता पर अनावश्यक आर्थिक बोझ स्वीकार नहीं किया जाएगा। भिण्ड की जनता पर दोहरा टोल भार किसी भी कीमत पर उचित नहीं है। जनता की जेब पर अतिरिक्त बोझ के खिलाफ कांग्रेस पूरी मजबूती से जनता के हक और अधिकार की लड़ाई लड़ेगी।

मैमालनपुर में अतिक्रमण पर चला प्रशासन का बुलडोजर

- दुकानों के आगे लगे टीनशेड एवं झुग्गी झोपड़ियां को हटाया

भिण्ड (निज संवाददाता)। मालनपुर में हनुमान चौराहे से दुकानदारों के आगे लगा टीन शेड, नेशनल हाईवे के किनारे किए गए अतिक्रमण हटाने के लिए बुलडोजर चला। राघवेन्द्र शर्मा नेताजी की मार्केट एवं साधना स्वीट, राहुल स्वीट, एसआरएफ रोड इलेक्जर कंपनी के सामने रखी हुई गुमटियों को हटाकर हाईवे के किनारे 60 फीट दूरी तक सभी दुकानदारों का आक्रमण हटाया गया है। कार्रवाई नगर परिषद मालनपुर एवं गोहद राजस्व विभाग आईआरडीसी के अधिकारियों की संयुक्त कार्रवाई में हटाया गया। जिसमें स्थानीय थाना पुलिस सुरक्षा की दृष्टि से समूचे पुलिस फोर्स के साथ खड़ा रहा। इसके सबसे ज्यादा चर्चा का विषय हरिराम कुइया पर या मन्दिर के अलावा इस जगह पर स्थानीय लोगों ने पक्की दुकानें अवैध रूप से बना रखी हैं, जो उद्योग विभाग की जमीन पर वहां कार्रवाई कर दुकान तोड़ने के लिए बुलडोजर नहीं चल सका। क्योंकि थाना प्रभारी ने राजस्व अधिकारियों से पर्याप्त पुलिस फोर्स नहीं है, यहां स्थानीय दबंग लोगों ने आईआरडीसी की जमीन पर पक्की दुकानों का निर्माण कर रखा है। यहां विवाद की आशंका को देखते हुए आगे कार्रवाई की जाएए, जब तक आईआरडीसी के अधिकारियों एवं तहसीलदार ने सभी दुकानों के संचालकों को हिदायत दी गई कि अपना-अपना सामान निकालकर दुकान खाली करें। अतः शासन की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। यह शासकीय भूमि पर जबरन कब्जा कर निर्माण किया हुआ है। इस संयुक्त अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में कार्यपालक अधिकारी रमाशंकर शर्मा, गोहद नायब तहसीलदार राकेश श्रीवास्तव, पटवारी संजय शर्मा, इंजीनियर एनपी उपाध्याय एवं अनिल शर्मा, आईआरडीसी के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। सुरक्षा की दृष्टि से थाना प्रभारी प्रदीप सोनी, एसआई बलवंत सिंह यादव अपने समूचे पुलिस फोर्स के साथ तैनात देखे गए।

उप डाकघर में 66 हजार का गबन, एफआईआर दर्ज

- सेवानिवृत्त उप डाकपाल और एमपीकेवीवीआई एजेंट पर सरकारी राशि के गबन सहित गंभीर आरोप

दबोह (निज संवाददाता)। उप डाकघर दबोह में वर्ष 2016 के दौरान कथित तौर पर 66 हजार रुपए की सरकारी राशि के गबन का मामला सामने आया है। दबोह थाना पुलिस ने सेवानिवृत्त उप डाकपाल आरआर राजौरिया तथा एमपीकेवीवीआई एजेंट उर्मिला सविता के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और गबन सहित विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार शिकायतकर्ता निरीक्षक डाकघर लहार उप संभाग वीरेन्द्र कुमार कक्कड़ोलिया ने गत 20 जुलाई को शिकायत प्रस्तुत की थी। शिकायत में दबोह उप डाकघर स्थित आरडी खाते से 66 हजार रुपए की राशि कथित रूप से फर्जी तरीके से निकालकर अन्य खाते में स्थानांतरित किए जाने का आरोप लगाया गया।

2016 के लेनदेन की जांच में सामने आया मामला : एफआईआर में दर्ज विवरण के मुताबिक दबोह उप डाकघर के आरडी खाते क्र.2389681 से 21 मार्च 2016 को 66 हजार रुपए की निकासी दर्शाई गई। पुलिस के अनुसार जांच के दौरान संबंधित दस्तावेजों, निकासी वाउचर, जमा पर्चियों, लेजर और खाते से जुड़े रिकार्ड का परीक्षण किया गया। एफआईआर में आरोप है कि उक्त राशि को एक अन्य बचत खाते में स्थानांतरित किया गया और बाद में राशि की फर्जी निकासी का मामला सामने आया। जांच में दस्तावेजों पर दर्ज हस्ताक्षरों और संबंधित खातों के रिकार्ड को भी आधार बनाया गया है।

शिकायत के वर्षों बाद दर्ज हुई एफआईआर

मामले में शिकायतकर्ता द्वारा पूर्व में भी शिकायत किए जाने का उल्लेख एफआईआर में है। दस्तावेज के अनुसार वर्ष 2018 में संबंधित शिकायत सामने आई थी तथा बाद में वर्ष 2019 में भी इस मामले में बयान दर्ज किए गए थे। अब पुलिस ने उपलब्ध दस्तावेजों और जांच के आधार पर 7 अगस्त को प्रकरण क्र.0101/2026 दर्ज की है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 420, 467, 468, 471, 409 और 34 के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच एएसआई रविन्द्र कुमार मांझी को सौंपी गई है।

कई साल पुराने रिकार्ड खंगाले जाएंगे : इस प्रकरण में वर्ष 2016 के आरडी एवं बचत खातों से संबंधित दस्तावेज, निकासी वाउचर, जमा पर्चियां, लेजर और अन्य रिकॉर्ड पुलिस जांच के महत्वपूर्ण आधार हैं। अब जांच में यह स्पष्ट किया जाएगा कि 66 हजार रुपए की राशि किस प्रक्रिया के तहत निकाली गई और कथित फर्जीवाड़े में किसकी क्या भूमिका रही। हालांकि, एफआईआर में लगाए गए आरोप जांच के अधीन हैं और आरोपियों का दोष न्यायालय में सिद्ध होना बांकी है। फिलहाल शुक्रवार को दबोह पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

नवोदय विद्यालय में कक्षा 6 में प्रवेश हेतु आवेदन कल तक

भिण्ड (निज संवाददाता)। पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय बिरखड़ी रौन में कक्षा 6 में प्रवेश हेतु जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा-2027 में सम्मिलित होने हेतु ऑनलाइन फार्म भरने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 7 अगस्त थी। जिसे अब बढ़ाकर अंतिम तिथि 10 अगस्त की गई है एवं चयन परीक्षा 28 नवम्बर को आयोजित की जाएगी।

सर्पदंश से बालक की मौत

भिण्ड। असवार थाना के चौई गांव में गुरुवार को एक जहरीले सर्प ने घर के पास खेल रहे एक 10 साल के बालक को डस लिया। इससे उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार चौई गांव निवासी देवेन्द्र रजक का 10 साल का बेटा दिलीप गुरुवार शाम 5.30 बजे के करीब अपने घर के पास दोस्तों के साथ खेल रहा था। तभी एक जहरीले सांप ने उसे डस लिया। इससे दिलीप बेहोश हो गया। परिजनों उसे लेकर तुरंत अस्पताल पहुंचे। यहां डॉक्टर ने जांच कर उसे मृत घोषित कर दिया।

मिहोना एसबीआई में फर्जीबाड़ा, मृतक के खाते से 8 लाख 95 हजार का हेरफेर

- कैशियर निलंबित, कैशियर सहित तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

भिण्ड (निज संवाददाता)। जिले के मिहोना स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा में एक मृतक खाता धारक के खाते से 8 लाख 95 हजार रुपए के कथित फर्जीबाड़े का मामला प्रकाश में आया है। बैंक की आंतरिक जांच में मामला उजागर होते ही शाखा प्रबंधक की रिपोर्ट पर बैंक के कैशियर सहित तीन लोगों के विरुद्ध पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना आरंभ कर दी है।

जानकारी के मुताबिक पुलिस के अनुसार खाता धारक पोपाराम कुशवाह की वर्ष 2023 में मौत हो चुकी थी। इसके बाद उनके खाते में हुए संदिग्ध लेनदेन की जानकारी सामने आने पर बैंक में शिकायत की गई और बताया गया कि पोपाराम कुशवाह के हस्ताक्षर का कथित तौर पर फर्जी इस्तेमाल कर यह हेरफेर किया गया है। मामले की शिकायत मिलने के बाद भारतीय स्टेट बैंक प्रबंधन ने आंतरिक जांच के लिए समिति गठित की। समिति ने बैंक के रिकार्ड, खाते में हुए लेनदेन और संबंधित दस्तावेजों की जांच की। जांच के दौरान कैशियर रिनू बाबू कोरके की भूमिका सामने आने के बाद बैंक ने उन्हें निलंबित कर दिया। इसके बाद बैंक प्रबंधन ने मामले में पुलिस कार्रवाई के निर्देश दिए।

बैंक की आंतरिक जांच में वर्ष 2023-24 के दौरान खाते से अलग-अलग समय पर 12 अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए रकम दूसरे खाते में ट्रांसफर किए जाने की जानकारी सामने आई। इन ट्रांजेक्शन के माध्यम से कुल 8 लाख 95 हजार रुपए दूसरे खाते में ट्रांसफर किए जाना पाया गया। मामले में बैंक में कैशियर के पद पर पदस्थ रहे रिनू बाबू कोरके को निलंबित कर दिया गया है। बैंक प्रबंधन के निर्देश पर शाखा प्रबंधक रोहित जायसवाल की शिकायत पर पुलिस ने कैशियर रिनू बाबू कोरके, राधे कुशवाह सहित एक अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब बैंक से संबंधित दस्तावेज, ट्रांजेक्शन रिकार्ड और खाते में इस्तेमाल किए गए हस्ताक्षरों की जांच कर रही है।

उत्तर मध्य रेलवे

L. No. : JHS-ELG-W-T-32-2025-26-RT Date : 06.08.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये तथा उनकी ओर से वरि. मंडल विद्युत अभियन्ता (सामान्य), उत्तर मध्य रेल, झाँसी द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिये ऑनलाईन **(ई-टेन्डरिंग)** के माध्यम से खुली निविदायें आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं : झाँसी-ईएलजी-डब्ल्यू-टी-32-2025-26-RT	**निविदा राशि : रू. 1,68,67,150/- मात्र**
कार्य का विवरण : विद्युत/सामान्य कार्य :- झांसी डीआरएम कार्यालय परिसर में सेवा भवनों का वातानुकूलन और अन्य संबंधित कार्य।	
बयाना राशि : रू. 2,34,000/- मात्र	**कार्य समापन अवधि : 06 माह**
निविदा बंद होने की तिथि : 31.08.2026 **(15:00 बजे तक)**	

निविदाकार निविदा **दिनांक 31.08.2026 को 15:00 बजे** तक आनलाईन जमा कर सकेगें। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के बेवसाईट **http://www.ireps.gov.in** पर देखें। 1821/26 (C)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONC

दो दिवसीय वेस्ट जोन रीजनल कॉन्फ्रेंस - 'इन्हेंसिंग एक्सेस टू जस्टिस'

न्याय तभी संभव, जब हम पीड़ित के दुःख-दर्द को उसकी भाषा में समझें : सीजेआई न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत

न्याय सबके लिए सहज, सुलभ, शीघ्र और मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण हो : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मध्यप्रदेश में 4 नए फास्ट ट्रैक शुरु, करने वाला देश का पहला राज्य

सीजेआई न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत ने नेशनल लीगल सर्विस अथॉरिटी की शिक्षा स्कीम सहित इसके थीम सॉन्ग को किया इंडियन साइन लैंग्वेज में लाँच

नेशनल लीगल सर्विस अथॉरिटी की योजनाओं के हिंदी संस्करण और ब्रेल लिपि में गाइड का हुआ विमोचन

जस्टिस टू चिल्ड्रन लिटिगेशन फेलोशिप प्रोग्राम तथा मध्यस्थता पर सर्टिफिकेट कोर्स का किया गया शुभारंभ

केंद्रीय विधि राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने न्याय के स्वर पुस्तक का किया विमोचन

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 2 दिवसीय वेस्ट जोन रीजनल कॉन्फ्रेंस का किया शुभारंभ

9 अगस्त तक चलेगी कॉन्फ्रेंस

भोपाल (निज संवाददाता)। भारत के मुख्य न्यायाधीश और राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रमुख संरक्षक न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उच्चतम न्यायालय के अन्य न्यायमूर्तिगणों ने शनिवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में दो दिवसीय वेस्ट जोन रीजनल कॉन्फ्रेंस - 'इन्हेंसिंग एक्सेस जस्टिस' के उद्घाटन सत्र का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। यह कॉन्फ्रेंस 9 अगस्त तक चलेगी। कॉन्फ्रेंस का आयोजन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली (नालसा), मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर (सालसा) और मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के संयुक्त तत्वावधान में किया गया है। इस 2 दिवसीय कॉन्फ्रेंस का विषय 'इन्हेंसिंग एक्सेस टू जस्टिस' तथा इसकी थीम 'एकजुट आवाज, सशक्त भविष्य : संवाद, गरिमा और समावेशन के माध्यम से न्याय तक पहुंच' रखी गयी है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत ने नालसा की शिक्षा स्कीम तथा नालसा के थीम सॉन्ग को इंडियन साइन लैंग्वेज में लाँच किया। कॉन्फ्रेंस में नालसा के थीम सॉन्ग का प्रदर्शन कर इसकी योजनाओं के हिंदी संस्करण और ब्रेल लिपि में गाइड का विमोचन किया गया। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत, मुख्यमंत्री डॉ. यादव सहित अन्य सभी अतिथियों ने 'जस्टिस टू चिल्ड्रन लिटिगेशन फेलोशिप प्रोग्राम' तथा मध्यस्थता पर सर्टिफिकेट कोर्स - विवाद से सहमति की ओर का भी शुभारंभ किया। केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री अर्जुनराम मेघवाल सहित अन्य न्यायमूर्तियों ने कॉन्फ्रेंस में आयोजकों द्वारा तैयार की गई 'न्याय के स्वर' नामक पुस्तक का विमोचन किया।

सीजेआई न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत ने कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि 2 पक्षों में विवाद के हल में संवाद की प्रक्रिया अनेक विचारों से एकमत या आवाज तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सबके न्याय की पहुंच सिर्फ कानून के आधार पर तैयार नहीं हो सकती है। यह संवाद से ही संभव है। न्याय की प्रक्रिया केवल न्यायपालिका या किसी एक संस्था से पूरी नहीं होती है। इस यज्ञ में सबको मिलकर आहूति देनी होती है। किसी विवाद में मध्यस्थता की प्रक्रिया सामने वाले के सुनने से प्रारंभ होती है। न्याय मिलने से पहले पीड़ित को यह विश्वास होना आवश्यक है कि उसकी पीड़ा या समस्या को कोई सुन रहा है। उन्होंने कहा कि सभी की समस्याएं अलग-अलग हो सकती हैं, परंतु हर समस्या का समाधान एक जैसा नहीं होगा। समस्या की प्रकृति के अनुसार हमें अलग तरीके से सोचकर उसका समाधान देना होगा। स्थानीय समस्या को उसी सोच के साथ निदान तक लेकर जाना पड़ेगा। सीजेआई न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत ने कहा कि किसी पीड़ित की समस्या और उसके दुख-दर्द को हमें उसकी अपनी भाषा में अंर्तमन से सुनना पड़ेगा। इससे समस्या को समझने और उसका निदान करने में बड़ा अंतर देखने को मिलेगा और यही अंतिम न्याय का आधार बनेगा। उन्होंने कहा कि न्याय व्यवस्था के संदर्भ में सशक्त भविष्य, गरिमा, समावेशन सिर्फ शब्द नहीं, यह विधिक सहायता की वास्तविक परिभाषा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर के न्याय के प्रति समर्पण का जिक्र किया। लोकमाता के लिए न्याय सबके लिए समान अधिकार था। वे इकलौती महिला शासक थीं, जो प्रतिदिन नागरिकों, किसानों और विधवाओं से मुलाकात कर उनकी समस्याओं का समाधान करती थीं। वे सीधे नागरिकों से संवाद करती थीं, उनके शासनकाल में किसी के साथ भेदभाव नहीं होता था। इंदौर नगरी में इस सम्मेलन के आयोजन के लिए मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बधाई का पात्र है।

न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत ने कहा कि नालसा के संवाद और चर्चा के लिए कार्यक्रमों से राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला और तहसील स्तर की संस्थाएं जुड़ी हैं। हमारे पैरा लीगल वॉलेंटियर सामाजिक व्यवस्था के सबसे करीब होते हैं। उनकी भूमिकाएं अलग हो सकती हैं, लेकिन हम सभी एक समान संवैधानिक उद्देश्य से साथ जुड़े होते हैं। वेस्ट जोन में विधिक सेवाओं का विस्तार मध्यप्रदेश के जनजातीय समुदाय, गोवा के मछुआरा समुदाय, गुजरात के माइग्रेंट वर्कर और मुंबई में रहने वाली किसी महिला के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार कोई डॉक्टर, किसी मरीज से बात करके उसकी परेशानियों को समझता है। उसी प्रकार समुदायों की समस्या को जानने-समझने के लिए हमें संवाद का सहारा लेना चाहिए। यह क्रॉन्फ्रेंस सिर्फ अपने विचारों का आदान-प्रदान करने का मंच नहीं है, हमें सभी तक न्याय की पहुंच आसान बनाने के लिए एक बेहतर न्याय व्यवस्था का निर्माण करना है। सशक्त भविष्य के लिए हम आज संवाद, नागरिकों की गरिमा, समानता की आवश्यकता है। पीड़ित को सबसे पहले मानवीय व्यवहार के साथ रिसीव करें। उसकी समस्या सुनें और फिर उसके अंतिम निदान का प्रयास किया जाए। पीड़ित की गरिमा का पूरा सम्मान किया जाए। गरीब, लाचार, आर्थिक रूप से पिछड़े, महिलाओं, बच्चों की सहायता करना कोई चैरिटी नहीं है, न्याय पाना सबका संवैधानिक अधिकारी है। हम सब पीड़ित को न्याय दिलाने में उसके सहायक की भूमिका में रहें।

न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत ने कहा कि समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति तक न्याय की पहुंच हो, इसी में समानता का भाव छिपा है। समानता सिर्फ शब्दों में नहीं वास्तविक अर्थों में भी आनी चाहिए, इसलिए जब खुद बड़ी भूमिका में आ जाएं, तो यह जरूर देखें कि हमारे बीच में से कोई पीछे तो नहीं रह गया ? हमें प्रगति और अधिकार दिलाने की कोशिश में यह जरूर देखना होगा कि कहीं कोई पीछे तो नहीं छूट गया ? उन्होंने कहा कि समानता और न्याय की पहुंच हर नागरिक का अधिकार है और यह सुनिश्चित करना भी हम सभी की ही जिम्मेदारी है। हमारी असली परीक्षा तो इस बात में है कि जो न्याय पाने के लिए हमारे पास नहीं आया है, हम उस तक कैसे पहुंचे ? न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत ने कहा कि देशभर में काम कर रहे न्यायमित्र (पैरा लीगल वॉलेंटियर्स) हमारी न्यायिक सेना (लीगल आर्मी) हैं। ये उन समाजसेवियों की तरह हैं, जिन्हें समाज के पीड़ितों, जरूरतमंदों और वंचितों को न्याय दिलाने का काम सौंपा गया है। महात्मा गांधी ने भी तत्कालीन समाज के लिए यही काम किया था। उन्होंने कहा कि समानता केवल स्कीम लॉन्च करने से ही नहीं आ जाएगी। इसके लिए संवाद किया जाना चाहिए। न्याय के लिए जरूरी है कि हर समस्या को पूरी संवेदनशीलता के साथ सुना जाए। सभी के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार हो। समावेशन यह सुनिश्चित करता है कि न्याय पाने से कोई वंचित न रहे, कोई पीछे न रह जाए। उन्होंने पैरा लीगल वॉलेंटियर्स से आहवान किया कि वे समाज के विकास के लिए और वंचितों को बराबरी में लाने के लिए समर्पित होकर काम करें और हर पात्र व्यक्ति को उसका वाजिब हक और उसके अधिकार का लाभ दिलाएं।

सांची में समृद्ध बौद्ध विरासत और स्थापत्य कला को देख अभिभूत हुए ब्रिक्स डेलीगेट्स

सांची को बताया शांति और आध्यात्मिकता का अद्भुत केंद्र

भोपाल (निज संवाददाता)। ब्रिक्स देशों से आये प्रतिनिधि भारत की समृद्ध बौद्ध विरासत और स्थापत्य कला को देखने शनिवार को रायसेन जिले के विश्व धरोहर स्थल सांची पहुंचे। ब्राज़ील, चीन, दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया, रूस सहित ब्रिक्स डेलीगेट्स के 42 सदस्यीय दल द्वारा केन्द्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के साथ जम्बू द्वीप पार्क, म्यूजियम तथा बौद्ध स्तूप का भ्रमण किया गया। इस दौरान म.प्र. शासन के संस्कृति राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र लोधी भी साथ हैं। ब्रिक्स डेलीगेट्स के सांची पहुंचने पर कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अगवानी में उनका स्वागत भारतीय संस्कृति के अनुरूप तिलक लगाकर किया गया।

ब्रिक्स डेलीगेट्स हजारों वर्ष पुरानी भारतीय स्थापत्य कला, पत्थरों पर उकेरी गई बौद्ध संस्कृति और भगवान बुद्ध के शांति एवं करुणा के संदेश से जुड़े बौद्ध स्तूप को देखकर अभिभूत नजर आए। डेलीगेट्स सांची की ऐतिहासिक विरासत को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा का अद्भुत उदाहरण बताया। इस दौरान उन्होंने मुख्य स्तूप सहित परिसर में स्थित प्राचीन संरचनाओं, तोरण द्वारों, स्तंभों तथा शिल्पकला को करीब से देखा। विशेषज्ञों एवं गाइड द्वारा प्रतिनिधियों को सांची के इतिहास, बौद्ध धर्म के प्रसार और यहां स्थित स्मारकों की स्थापत्य विशेषताओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

पत्थरों पर जीवंत है बौद्ध संस्कृति की कहानी

बौद्ध स्तूप के तोरण द्वारों पर उकेरी गई बारीक नक्काशी ने ब्रिक्स डेलीगेट्स का विशेष ध्यान आकर्षित किया। इन शिल्पों में बौद्ध परंपरा, जातक कथाओं, प्रकृति, पशु-पक्षियों तथा तत्कालीन सामाजिक जीवन से जुड़े अनेक दृश्य अंकित है। ब्रिक्स डेलीगेट्स को बताया गया कि सांची में बौद्ध स्मारकों की स्थापना का संबंध मौर्य सम्राट अशोक के काल से है। सांची को बौद्ध धर्म के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित किया गया। विदेशी प्रतिनिधियों ने सांची के इतिहास और यहां की स्थापत्य विरासत को लेकर विशेष रुचि दिखाई। उन्होंने स्मारकों की तस्वीरें भी लीं और परिसर के विभिन्न हिस्सों का अवलोकन किया।

हजारों वर्ष पुरानी विरासत को अपनी आंखों से देखना अविस्मरणीय अनुभव

सांची का महत्व केवल ऐतिहासिक ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिक भी है। भगवान बुद्ध के शांति, अहिंसा, करुणा और मानवता के संदेश से जुड़े इस विश्व धरोहर ने ब्रिक्स डेलीगेट्स को विशेष रूप से प्रभावित किया। ब्रिक्स डेलीगेट्स ने सांची को ऐसी ऐतिहासिक धरोहर बताया, जहां प्राचीन भारत की संस्कृति के साथ विश्व शांति का संदेश भी महसूस किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पुस्तकों और तस्वीरों में किसी ऐतिहासिक स्थल को जानना अलग अनुभव है, लेकिन सांची पहुंचकर हजारों वर्ष पुरानी विरासत को अपनी आंखों से देखना अविस्मरणीय अनुभव है। इस अवसर पर संस्कृति विभाग के अपर मुख्य प्रमुख सचिव श्री शिवशेखर शुक्ला, भोपाल संभागायुक्त श्री कर्मवीर शर्मा, मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के प्रबंध निदेशक श्री इलैया राजा टी, मध्यप्रदेश पर्यटन विकास बोर्ड के अतिरिक्त प्रबंध निदेशक श्री अभय बेडेकर तथा भोपाल से आए वरिष्ठ अधिकारीगण, पुलिस अधीक्षक श्री आशुतोष गुप्ता सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

लाइट एण्ड साउंड शो ने किया बौद्ध इतिहास और कला को जीवंत

ब्रिक्स डेलीगेट्स के दल ने सांची में स्तूप भ्रमण के उपरांत शाम के समय परिसर में लाइट एण्ड साउंड शो के जरिए बौद्ध इतिहास और कला का जीवंत अनुभव किया। प्रतिनिधियों को थ्री-डी प्रजेन्टेशन के माध्यम से बौद्ध संस्कृति, भगवान गौतम बुद्ध के जीवन-दर्शन और उनकी शिक्षाओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। लाइट एंड साउंड शो के दौरान भगवान बुद्ध के जीवन, उनके त्याग, ज्ञान प्राप्ति, करुणा, शांति और मानवता के संदेश को प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को दुबई में होने वाली एनुअल इन्वेस्टमेंट मीटिंग का आमंत्रण

भोपाल (निज संवाददाता)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से समत्व भवन, मुख्यमंत्री निवास में ग्लोबल फाउंडेशन दुबई के प्रेसिडेंट डॉ. दाऊद अल शेजावी ने भेंट की। डॉ. शेजावी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को 7 से 9 सितंबर तक दुबई में होने वाली एनुअल इन्वेस्टमेंट मीटिंग कांग्रेस-2026 के 15वें संस्करण का आमंत्रण दिया। इस कार्यक्रम में मुख्य फोकस सस्टेनेबल निवेश , डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, आर्थिक विविधिता, उभरते बाजार और अंतर्राष्ट्रीय साझेधारी पर रहेगा। आयोजन की थीम 'रीशेपिंग ग्लोबल प्रास्परेटी : अन्लाकिंग न्यू इन्वेस्टमेंट पाथवे टूवर्ड्स अ सस्टेनेबिल एण्ड इन्क्लूसिव फ्यूचर' है। डॉ. शेजावी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को जानकारी दी कि गत वर्ष हुई एनुअल इन्वेस्टमेंट मीटिंग में 180 से अधिक देशों के 15 हजार प्रतिनिधि शामिल हुए थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से डॉ. शेजावी की भेंट के अवसर पर अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय श्री नीरज मंडलोई और एमपी औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री चंद्रमौली शुक्ला उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश के लिए उपयोगी और महत्वपूर्ण होगा आयोजन

औद्योगिक विकास के लिए प्रतिबद्ध मध्यप्रदेश सरकार द्वारा गत ढाई वर्ष में किए गए निवेश के प्रयासों को जमीन पर उतारने में सफलता मिल रही है। इस नाते दुबई में हो रहा आयोजन प्रदेश के लिए उपयोगी और महत्वपूर्ण रहेगा। इस एनुअल इन्वेस्टमेंट मीटिंग में वैश्विक निवेशकों के समक्ष निवेश- योग्य परियोजनाओं, नीतियों और क्षेत्रीय अवसरों को प्रदर्शित करने तथा बी2जी/बी2बी संवाद बढ़ाने का अवसर है। मैन्यूफैक्चरिंग, नवकरणीय ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स, आईटी/आईटीइएस, टेक्सटाइल, फूड प्रोसेसिंग, पर्यटन और नई तकनीकों में मध्यप्रदेश की निवेश क्षमता को वैश्विक स्तर पर पोजिशन करने का मंच भी रहेगा। इसके अलावा अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियां विकसित करने और प्राथमिक क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने का मध्यप्रदेश को विशेष अवसर मिलेगा।

प्रधानमंत्री और भाजपा अध्यक्ष से मिले योगी आदित्यनाथ

नई दिल्ली, 08 अगस्त (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर दिल्ली में राजनीतिक सरगर्मियां तेज होती जा रही हैं। शनिवार मेरठ में कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दिल्ली पहुंचे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। यह मुलाकात करीब एक घंटे से ऊपर चली। आदित्यनाथ ने इसके बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की। योगी ने नितिन नवीन के साथ मुलाकात की तस्वीर भी साझा की।

प्रधानमंत्री मोदी से योगी की मुलाकात को 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा। दिल्ली में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के साथ मुख्यमंत्री की हुई मुलाकातों के दौरान प्रदेश में सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय, आगामी चुनाव की रणनीति तथा केंद्र और राज्य सरकार की विकास योजनाओं को लेकर भी विचार-विमर्श की संभावना जताई जा रही है। राजनीतिक हलकों में मुख्यमंत्री के इस दौरे को आगामी विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा की तैयारियों के लिहाज से अहम माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि लगभग दो महीने पहले भी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री और भाजपा अध्यक्ष से मुलाकात की थी।

मेडिकल डिवाइस क्षेत्र के प्रमुखों के साथ जेपी नड्डा की बैठक, भारत को मेडटेक हब बनाने पर जोर

नई दिल्ली, 08 अगस्त (हि.स.)। केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शनिवार को विज्ञान भवन में आयोजित मेडिकल डिवाइस क्षेत्र के प्रमुख उद्योगपतियों के साथ बैठक की। यह बैठक इंडिया मेडिकल डिवाइस-2026 के दूसरे दिन आयोजित की गई।

इस कार्यक्रम का आयोजन रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के औषधि विभाग ने फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के सहयोग से किया। बैठक में केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ देश-विदेश की चिकित्सा उपकरण बनाने वाली कंपनियों और लघु एवं मध्यम उद्यमों के 40 से अधिक मुख्य कार्यकारी अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में भारत के चिकित्सा उपकरण उद्योग को मजबूत बनाने, नई तकनीकों और नवाचार को बढ़ावा देने, देश में उत्पादन क्षमता बढ़ाने, निवेश आकर्षित करने तथा भारतीय कंपनियों को वैश्विक बाजार में अपनी पहचान मजबूत करने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने पर व्यापक चर्चा हुई।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में होने वाले नए आविष्कारों और तकनीकों का लाभ आम लोगों तक पहुंचाने के लिए ठोस वैज्ञानिक और चिकित्सकीय प्रमाण जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि नई चिकित्सा तकनीकों को मंजूरी देने, उनके उपचार खर्च की प्रतिपूर्ति तय करने और सरकारी खरीद से जुड़े निर्णयों का आधार विश्वसनीय चिकित्सकीय प्रमाण होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि नई तकनीकों की प्रभावशीलता और मरीजों के स्वास्थ्य पर उनके वास्तविक प्रभाव का सही आकलन तभी संभव है, जब उनके पक्ष में उच्च गुणवत्ता वाले चिकित्सकीय आंकड़े उपलब्ध हों। ऐसे प्रमाणों के आधार पर ही यह तय किया जा सकता है कि कोई नई तकनीक कितनी प्रभावी और लागत के लिहाज से कितनी उपयोगी है।

डॉ. बहल ने आगाह किया कि यदि नई चिकित्सा तकनीकों के लिए आवश्यक प्रमाण जुटाने से छूट दी जाती है, तो बाद में स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी आकलन, उपचार खर्च की प्रतिपूर्ति और सरकारी खरीद के स्तर पर उनकी उपयोगिता साबित करना मुश्किल हो सकता है।

बैठक में प्रतिभागियों ने कहा कि भारत में नई चिकित्सा तकनीकों को तेजी से अपनाने के लिए ऐसी व्यवस्था विकसित करने की जरूरत है, जिससे नवाचार को प्रोत्साहन मिले और स्वास्थ्य सेवाओं पर होने वाले खर्च का प्रभावी उपयोग भी सुनिश्चित हो। चर्चा में विश्वसनीय चिकित्सकीय प्रमाण, पारदर्शी स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी आकलन, उचित मूल्य निर्धारण, टिकाऊ प्रतिपूर्ति व्यवस्था, चिकित्सकों की सक्रिय भागीदारी और बेहतर प्रशिक्षण व्यवस्था को आवश्यक बताया गया। प्रतिभागियों ने इस बात पर भी जोर दिया कि नई चिकित्सा तकनीकों तक मरीजों की पहुंच बढ़ाने के साथ-साथ उपचार को किफायती बनाए रखना और स्वास्थ्य व्यवस्था की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना भी जरूरी है।

बैठक में औषधि विभाग के सचिव मनोज जोशी, नीति आयोग के सदस्य डॉ. एम. श्रीनिवास, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव एवं भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनील कुमार बर्णवाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

फिक्की के महासचिव अनंत स्वरूप, फिक्की की मेडिकल डिवाइस समिति के अध्यक्ष तुषार शर्मा तथा सह-अध्यक्ष हिमांशु बैद और भरत शेषा ने भी बैठक में भाग लिया।